राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 10 अंक :322 रांची (झारखंड),रविवार , 27 अक्टूबर 2024 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

गोरखपुर में बनेगा विश्वस्तरीय रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक ऐलान से गोरखपुर में रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि रामगडताल के समीप विश्व स्तरीय रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर बनाने के लिए सरकार रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफआई) को वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जगह उपलब्ध कराएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश की सभी ब?ी झीलों में वाटर स्पोर्ट्स की संभावनाओं को आगे बडाने का प्रयास किया जाएगा।

रामगताल में आयोजित 25वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के समापन समारोह में खिलाडियों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रोइंग के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। जरूरत है प्रतिभाओं को तराशने की। हमारे रोइंग खिलाडी

ओलंपिक और अन्य वैश्विक प्रतिस्पर्धाओं में प्रतिभाग कर मेडल जीत सकते हैं। रोइंग में प्रतिभाओं को तराशने के लिए सरकार रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुरोध पर रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर खोलने के लिए रामगडताल के पास बने वर्ल्ड क्लास वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्पेस देगी। साथ ही सेंटर को आगे बडाने के लिए भी प्रदेश सरकार हर प्रकार का सहयोग देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में कई प्राकृतिक झीलें हैं, वहां भी रोइंग की संभावनाओं को आगे बडाने का प्रयास किया जाएगा। सीएम योगी ने एशियन गेम्स और अंतरराष्ट्रीय स्तर की अन्य रोइंग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले यूपी के खिलाडियों लक्ष्मण अवार्डी और देवरिया के युवा कल्याण अधिकारी पुनीत बालियान, लक्ष्मण अवॉर्डी कुदरत अली, बुलंदशहर निवासी अरविंद सिंह, सुल्तानपुर निवासी मोहम्मद आजाद, हापु? निवासी लोकेश कुमार और संतकबीरनगर निवासी राजेश कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि रोइंग के इन खिला?ियों ने प्रदेश का मान देश और दुनिया में बडाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल शरीर और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ अब शानदार करियर बनाने का भी सशक्त माध्यम बन गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने खेल नीति बनाकर ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स जैसी प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले यूपी के खिलाडियों को शासकीय सेवाओं में सीधी नौकरी देने का शासनादेश जारी कर रखा है। टोक्यो ओलंपिक में पदक विजेता हॉकी टीम के खिला?ी ललित उपाध्याय को यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी की नौकरी दी गई है। इस बार के ओलंपिक पदक विजेता खिला?ी राजकुमार पाल को भी नौकरी देने की घोषणा की आज चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 500 से अधिक खिलाडियों को शासकीय सेवाओं से जोडा जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार खेलों को आगे बडाने और खिलाडियों को प्रोत्साहन देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

भाजपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची, महाराष्ट्र में पीएम मोदी और योगी समेत प्रचार करेंगे 40 नेता

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का सियासी पारा चढ़ने लगा है। कांग्रेस ने शनिवार को अपने 23 प्रत्याशियों का एलान किया। इसके कुछ देर बाद ही भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी।सूची में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत 40 नेताओं के नाम शामिल हैं। यह सभी नेता विधानसभा चुनाव और नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करेंगे।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान

20 नवंबर को महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों पर मतदान है। 23 नवंबर को मतगणना होगी। भाजपा सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का हिस्सा है। इसमें शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल है।

स्टार प्रचारकों की सूची

नरेंद्र मोदी
जगत प्रकाश नड्डा
राजनाथ सिंह
अमित शाह
नितिन गडकरी
योगी आदित्यनाथ
डॉ. प्रमोद सावंत
भूपेंद्र भाई पटेल
विष्णु देव साय
डॉ. मोहन यादव
भजनलाल शर्मा
नायब सिंह सैनी
हिमंत बिस्वा सरमा
शिवराज सिंह चौहान
देवेंद्र फडणवीस
चन्द्रशेखर बावनकुले
शिव प्रकाश
भूपेंद्र यादव
अश्विनी वैष्णव
नारायण राणे
पीयूष गोयल
ज्योतिरादित्य सिंधिया
रावसाहेब दानवे पाटिल
अशोक चव्हाण
उदयन राजे भोंसले
विनोद तावड़े
आशीष शेलार
पंकजा मुंडे
चंद्रकांत (दादा) पाटिल
सुधीर मुनगंटीवार
राधाकृष्ण विखे पाटिल
गिरीश महाजन
रवींद्र चव्हाण
स्मृति ईरानी
प्रवीण दारेकर
अमर साबले
मुरलीधर मोहोल
अशोक नेते
डॉ. संजय कुटे
नवनीत राणा

99 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी भाजपा

जगन मोहन रेड्डी और बहन के बीच छिड़ा संपत्ति विवाद, शर्मिला ने कहा- 'वे इकलौते उत्तराधिकारी नहीं; मुझे अभी तक कुछ नहीं मिला'

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और उनकी बहन वाईएस शर्मिला के बीच संपत्ति विवाद गहराता जा रहा है। प्रकाशित एक रिपोर्ट के जवाब में शर्मिला ने वाईएसआर के प्रशंसकों को एक खुला पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि जगन मोहन रेड्डी पारिवारिक संपत्ति के इकलौते उत्तराधिकारी नहीं है। पिता वाईएस राजशेखर रेड्डी (वाईएसआर) के सामने और उनके निधन के बाद कोई संपत्ति का हस्तातंरण नहीं किया गया है।

शर्मिला ने कहा, 'मेरे पास अभी भी एक भी ऐसी संपत्ति नहीं है। जगन मोहन रेड्डी पारिवारिक संपत्तियों के अकेले उत्तराधिकारी नहीं हैं। पिता की इच्छा थी कि सभी पारिवारिक व्यवसाय को चार पोते-पोतियों में समान रूप से बांटा जाए। वे

(वाईएसआर) केवल जगन मोहन रेड्डी के नहीं थे। जगन मोहन रेड्डी केवल अभिभावक हैं। इन संपत्तियों को चार पोते-पोतियों के बीच समान रूप से बांटने की उनकी जिम्मेदारी है। बता दें कि साक्षी अखबार पर जगन मोहन रेड्डी का स्वामित्व है। शर्मिला ने कहा कि तथ्यों से हेरफेर की गई है और सच्चाई को छिपाया गया है। मगर तथ्य प्रस्तुत करना उनका कर्तव्य है। शर्मिला ने कहा कि यह दावा भी गलत है कि वाईएसआर के जीवित रहते संपत्ति का बंटवारा हुआ। उन्होंने कहा कि जगन मोहन रेड्डी जिन संपत्तियों का दावा करते हैं, वे सभी पारिवारिक संपत्ति हैं। मां वाईएस विजयम्मा संपत्ति के बंटवारे को लेकर सैकड़ों पत्र लिख चुकी हैं। मगर अभी तक मेरे बच्चों को संपत्ति नहीं मिली है। जबकि वह कानूनी तौर पर हकदार हैं। 2009 से 2019 बीच 200 करोड़ रुपये देने के दावे पर शर्मिला ने कहा कि उस वक्त जगन मोहन रेड्डी अलग इंसान थे। 10 साल में 200 करोड़ रुपये कंपनियों से मिलने वाले लाभांश का आधा हिस्सा है। इससे यह साफ होता है कि कंपनियों में हमारे बच्चों के भी समान शेयर हैं। यह कोई एहसान या उपहार नहीं है।

दान के जरिये लाभार्थी के मतांतरण का प्रयास लोकतंत्र के लिए गंभीर, कर्नाटक में छात्रों से बोले उपराष्ट्रपति धनखड़

एजेंसी

मांड्या। कर्नाटक की आदिचुन्चानगिरी विश्वविद्यालय पहुंचे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दान का संरचनात्मक तरीके से मतांतरण के लिए इस्तेमाल करने पर गंभीर चिंता जाहिर की। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सभ्यता से जुड़े हमारे मूल्य बताते हैं कि दान के बारे में कभी भी बताना नहीं चाहिए। उस पर दावा तो कभी करना ही नहीं चाहिए। बल्कि दान करके भूल जाना चाहिए। आगे कहा कि जरूरतमंद, कमजोर और हाशिए पर रहे रहे लोगों की मदद बिना किसी शर्त के होनी चाहिए। दान का इस्तेमाल धर्म की स्वतंत्रता को कैद करने के लिए किया जाना चिंता का विषय है। जब आप हाशिए पर मौजूद लोगों के विश्वास को प्रभावित करते हैं तो ये और गंभीर हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस चलन से राष्ट्रीयता की भावना और

संवैधानिक मूल्यों पर गंभीर असर पड़ सकता है। बी.जी. में आदिचुंचनगिरी विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए। उन्होंने कहा कि हमारी सभ्यता का लोकाचार हमें बताता है, कभी भी दान की बात न करें। दान का दावा कभी नहीं किया जाना चाहिए। आप इसे करते हैं, और आप इसके बारे में भूल जाते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत समावेशी क्या है, इस पर हर किसी को मार्गदर्शन दे सकता है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से, जिस चीज से हम 5,000 से अधिक वर्षों से गुजर रहे हैं, उससे हमें सबक लेने की जरूरत नहीं है। केवल यह दर्शन ही टिकाऊ है और वैश्विक शांति और सद्भाव बनाता है, लेकिन कुछ लोगों की समावेशिता की एक अलग अवधारणा है जो समावेशिता की भावना के लिए विनाशकारी है। हमें बेहद सतर्क और सावधान रहना होगा। उपराष्ट्रपति ने संकट के दौरान धार्मिक संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और अन्य समान चुनौतियों के समय धार्मिक संस्थानों के पदचिह्न सरकारी प्रयासों के पूरक हैं। आदिचुन्चानगिरी विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा भी उपस्थित रहे।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में बड़ी सफलता, लुधियाना से 15वां आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुंबई पुलिस ने एक और आरोपित सुजीत सुशील सिंह (32) को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया है। सुजीत सुशील सिंह पर इस मामले में वांछित आरोपित जीशान अख्तर को दो गिरफ्तार आरोपितों से मिलवाने का आरोप है। इस मामले में गिरफ्तार आरोपितों की संख्या 15 हो गई है। मुंबई पुलिस आरोपित को पंजाब से मुंबई ला रही है। इस मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आरोपित सुजीत सिंह इस मामले के वांछित आरोपित जीशान अख्तर के संपर्क में था और उस समूह का हिस्सा था, जिसने हत्या की साजिश रची थी। हत्या के तुरंत बाद वह

जालंधर भाग गया था और वहां छिपकर रह रहा था। इसकी गोपनीय जानकारी मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने पंजाब पुलिस के सहयोग से उसे गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

कमरे में आग लगने से 4 युवक जिंदा जले, दर्दनाक मौत

एजेंसी

गुरुग्राम। एक इमारत के कमरे में लगी आग में 4 युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। जब तक दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंचती, आग काफी फैल चुकी थी। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है।

जानकारी के अनुसार सरस्वती एन्क्लेव में रात करीब साढ़े 12 बजे चार मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर बने एक कमरे में आग लग गई। कमरे से भयंकर आग की लपटें देखकर आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया और दमकल विभाग को घटना की सूचना दी।

दमकल कर्मियों की टीम पहुंचने तक आग काफी फैल चुकी थी। आग की लपटें और धुएं के गुबार देखकर आस-पड़ोस के घरों में रहने वाले लोगों ने भी अपने घर खाली कर दिए। दमकल कर्मियों की टीम ने काफी कोशिशों के बाद आग पर काबू पाया। लोगों ने जानकारी दी थी कि कमरे में चार लोग थे। आग बुझाने के बाद दमकल कर्मियों की टीम ने जब कमरे की तलाशी ली तो चार लोगों की लाशें मिलीं। इस कमरे में बिहार के लोखान गांव के चार लोग रह रहे थे जो आपस में रिश्तेदार थे। मरने वालों में दसवीं कक्षा का छात्र अमन (17), मोहम्मद मुश्ताक (22), नूर आलम (27) और यहां घूमने आए साहिल (22) शामिल हैं। तीन सदस्य पिछले करीब 15 साल से इसी क्षेत्र में किराए के घर में रह रहे थे। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है।

डॉ. रवींद्र राय बने झारखंड भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व सांसद डॉ. रवींद्र कुमार राय को झारखंड भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। शनिवार को पार्टी महासचिव अरुण सिंह की तरफ से जारी पत्र के मुताबिक डॉ. रविंद्र कुमार राय को झारखंड भाजप का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

जेल में लॉरेंस बिश्नोई का इंटरव्यू करवाने के मामले में 7 पुलिस अधिकारी निलंबित

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का जेल से इंटरव्यू करवाने के मामले में 7 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश पर सरकार ने यह कार्रवाई की है। गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के दो इंटरव्यू वायरल हुए थे। एसआईटी की रिपोर्ट के मुताबिक पहला इंटरव्यू 3 व 4 सितंबर 2022 को हुआ है। लॉरेंस उस समय पंजाब में खरड़ स्थित सीआईए में था। दूसरा इंटरव्यू राजस्थान की जयपुर स्थित सेंट्रल जेल में हुआ है।लॉरेंस का पहला इंटरव्यू 14 मार्च 2023 को ब्रॉडकास्ट हुआ था, जिसमें उसने सिद्धू मूसेवाला का कत्ल करवाने की बात कबूली थी। लॉरेंस का कहना था कि सिद्धू मूसेवाला सिंगिंग के बजाय गैंगवार में घुस रहा था। लॉरेंस के इंटरव्यू वर्ष 2023 में 14 और 17 मार्च को जारी किए गए थे। जिसके

बाद पंजाब पुलिस पर सवाल उठे थे। इसके बाद पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने दावा किया था कि इंटरव्यू बठिंडा या पंजाब की किसी भी जेल से नहीं हुआ है। हालांकि जांच में यह साफ हो गया कि लॉरेंस का इंटरव्यू खरड़ में किया गया है। इस मामले में हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को निर्देश दिए थे कि वह मामले में कार्रवाई कर रिपोर्ट दाखिल करे। जिसके बाद शुक्रवार रात पंजाब गृह विभाग के प्रमुख सचिव गुरकीरत कृपाल सिंह ने आदेश जारी कर डीएसपी गुरशेर सिंह (अमृतसर स्थित 9 बटालियन), डीएसपी समर वनीत, सब इंस्पेक्टर रीना (सीआईए खरड़ में तैनात), सब इंस्पेक्टर जगतपाल जंगू (एजीटीएफ में तैनात), सब इंस्पेक्टर शगनजीत सिंह (एजीटीएफ), एएसआई मुखत्यार सिंह और हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश को निलंबित कर दिया। पंजाब सरकार अब इस मामले में हाई कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल करेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ दौरे के दूसरे दिन जगन्नाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ दौरे के दूसरे दिन शनिवार सुबह रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर देशवासियों की समृद्धि एवं सुख-शांति की कामना की। उनके साथ राज्यपाल रेमन डेका, मुखयमंत्री विष्णुदेव साय व मंत्रिमंडल सहयोगी और अधिकारी मौजूद रहे।

मंदिर दर्शन के बाद राष्ट्रपति भिलाई जाएंगी, जहां आईआईटी के चौथे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके बाद राष्ट्रपति वापस रायपुर राजभवन लौटेंगी।

कुलगाम में सेना का वाहन पलटने से जवान की मौत, 8 जवान घायल

एजेंसी

कुलगाम। कुलगाम जिले के दमहाल हंजीपोरा सेना का वाहन पलटने से एक जवान की मौत हो गई और 8 अन्य जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। दुर्घटना उस समय हुई जब जवान कुलगाम में ऑपरेशनल मूव पर थे। अधिकारियों ने बताया कि दमहाल हंजीपोरा में शुक्रवार देर रात सेना का वाहन पलट गया जिसमें एक सैनिक की मौत हो गई जबकि 8 अन्य घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी हालत स्थित है। श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 25 अक्टूबर की रात कुलगाम जिले में ऑपरेशनल मूव के दौरान भारतीय सेना का एक वाहन पलट गया। दुखद रूप से एक सैनिक की जान चली गई जबकि कुछ सैनिक घायल हो गए और उन्हें तुरंत चिकित्सा देखभाल के लिए ले जाया गया। सभी सैनिकों की हालत स्थिर है।

चेन्नई के स्कूल में हादसा, गैस लीक होने से 30 से ज्यादा छात्रों की तबीयत बिगड़ी

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के एक स्कूल में एक साथ 30 से ज्यादा बच्चे बीमार हो गए। आंखों में जलन और चक्कर आने की शिकायत के बाद इन बच्चों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है, इन छात्रों की हालत ठीक है। इनमें से 3 बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। वहीं एनडीआरएफ के कमांडर एके चौहान ने इस मामले में कहा हैं, फिलहाल, मैं सटीक कारण नहीं बता सकता। हमें अभी तक सटीक कारण का पता नहीं चल पाया है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव : कांग्रेस ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट की जारी

एजेंसी

मथुरा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही सभी पार्टियों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने अपने कुछ उम्मीदवारों के नाम जारी कर दिए हैं। वहीं, अब कांग्रेस पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है।

दूसरी ओर असम में पांच

विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 38 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं ।

असम में पांच विधानसभा क्षेत्रों बेहाली, धोलाई, समागुरी, बोंगाईगांव और सिदली के लिए उपचुनाव 13 नवंबर को होंगे। नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 24 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, धोलाई के लिए तीन उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया, सिदली के लिए एक, बोंगाईगांव के लिए पांच, समागुरी के लिए 12 और बेहाली विधानसभा क्षेत्र के लिए तीन उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया।

वक्फ बोर्ड ने किसान की पुश्तैनी जमीन पर किया दावा, भड़के तेजस्वी सूर्या बोले- भारत संविधान के हिसाब से चलेगा न कि शरिया से

एजेंसी

बेंगलुरु। उत्तरी कर्नाटक के विजयपुर जिले में स्थित गांव होनवाड़ा में किसानों की पुश्तैनी जमीन पर वक्फ की संपत्ति होने के दावे पर विवाद गहरा गया है। बेंगलुरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या ने दावा किया कि कर्नाटक वक्फ बोर्ड ने 1,500 एकड़ जमीन पर दावा जताया है। उन्होंने कहा कि टिकोटा तालुक में आने वाले इस गांव के किसानों को नोटिस भी जारी किए गए हैं। जिसमें बिना कोई स्पष्टीकरण दिए जमीनों को वक्फ की संपत्ति घोषित कर दिया गया है। सूर्या ने आरोप लगाया कि कर्नाटक के वक्फ मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान ने उप आयुक्त और राजस्व विभाग के अधिकारियों को आदेश दिया है कि 15 दिनों में जमीनें वक्फ बोर्ड के पक्ष में पंजीकृत की जाएं।सांसद सूर्या ने यह भी आरोप लगाया कि ऐसा करके मोदी सरकार के वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 के जरिये होने वाले सुधार में अड़ंगा लगाने की कोशिश की जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की भी अवहेलना हो रही है। जिसमें किसान किनारे हो जाएंगे और राजस्व लेखों में उनकी जमीन वक्फ बोर्ड के नाम पर दर्ज हो जाएगी। भारत संविधान और कानून के हिसाब से चलेगा न कि शरिया या जमीर अहमद खान जैसे मंत्रियों के निर्देशों से। सूर्या ने इसे लेकर कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि 1955 के वक्फ कानून और फिर 2013 में हुए संशोधन से वक्फ बोर्ड को एक तरह से असीमित शक्तियां मिल गई हैं। वो किसी भी जमीन के वक्फ संपत्ति होने का दावा कर सकते हैं। ऐसे कानून बना कर कांग्रेस ने पूरे देश के नागरिकों के धोखा दिया है।

संक्षिप्त समाचार

मनीरामपुर गांव के आसराफुल शेख ने किया रक्तदान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ सदर अस्पताल सोनाजोड़ी में इलाजरत सदर प्रखंड के इस्लामी गांव के सबाना खातून पिता आकमाल शैख जो की छोटी बच्ची है ,शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी के कारण डॉक्टर ने अ+पॉजिटव रक्त समूह चढ़ाने के लिया कहा। मरीज के परिजन ने खून के लिए यूथ चैरिटी समूह के सक्रिय सदस्य राफिउज्जामान से संपर्क किया तभी राफिउज्जामान ने इसकी जानकारी आसफारुल हक और सोयेब आखतर को दी जिसमे आसफारुल ने यूथ चैरिटी व्हाट्सएप ग्रुप में ब्लड की आवश्यकता के लिए मैसेज साझा किया और फिर मनीरामपुर गांव के आसराफुल शेख को हमारे यूथ चैरिटी के संस्था चालक आकीमुद्दीन शेख आसराफुल शेख को कांटेक्ट के जरिए बताएं आसराफुल रक्तदान करने के लिए तैयार हो गए और रक्त अधिकोष पहुंचकर रक्तदान किया, मौके पर यूथ चैरिटी के सचिव आसफारुल हक, अध्यक्ष शोयेब अख्तर तथा रक्त अधिकोष के कर्मचारी नवीन कुमार जी मौजूद रहे। और हमारे यूथ चैरिटी के सम्मानित सदस्य आजहारुल तथा सादिक भी मौजूद थे..

वनांचल महाविद्यालय टंडवा में संगोष्ठी का हुआ आयोजन

दिव्य दिनकरःसंवाददाता

टंडवाःचतरा/ वनांचल महाविद्यालय में 26 अक्टूबर को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 'भारतीय बैंकिंग प्रणाली ' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ, संगोष्ठी में मुख्य वक्ता अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ अनिल कुमार एवं वाणिज्य के प्रो नवल-किशोर प्रसाद मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रमोद कुमार पाठक ने किया और अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ संजय नारायण दास ने की, विपुल छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों में डॉ सरोज कुमार तिवारी,डॉ अनिल कुमार,डॉ नवल कुमार,डॉ प्रमोद कुमार पाठक,डॉ ज्योति सिन्हा,प्रो मनोहर चोबे,प्रो मनोज कुमार सिन्हा,प्रो मनोज कुमार पांडेय, प्रो मुनेश्वर प्रसाद सिंह,प्रो प्रतिमा शरण,प्रो अंसार उल हक,पुस्तकालय अध्यक्ष अनिल कुमार महतो,सहायक प्रफुल्ल कुमार पांडेय,छोटन राम,विजय राम,युगेश्वर रजक,राजेन्द्र राणा, नीलम कुमारी,पल्लवी कुमारी, आदि उपस्थित थे। छात्र- छात्राओं में आंचल कुमारी, रूपा कुमार,बिजली महतो ने भी विषय पर अपने विचार रखा गया।

बरकट्ठा के प्रवासी मजदूर की जयपुर में निधन. बसंत साव ने परिजन को दिया मदद का भरोसा

संवाददाता बरकट्ठा

बरकट्ठा। परबत्ता ग्राम के हरिजन टोला में एक प्रवासी मजदूर की राजस्थान में निधन हो गई। परबता निवासी मनोज दास 45 वर्ष पिता जानकी दास का शव शुक्रवार को मृतक के घर पहुंचा। घरवालों ने बताया कि मनोज दास जयपुर राजस्थान में रहकर मजदूरी का काम करता था। जिसे 23 अक्टूबर को अचानक तबियत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दरम्यान उसकी मौत हो गई। मनोज दास परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था जो घर का भरण-पोषण करता था। जिसकी निधन से परिजनों के समक्ष विकट स्थिति उत्पन्न हो गई है। मामले कि सूचना मिलने पर मुखिया प्रतिनिधि बसंत साव मृतक के घर पहुंचकर परिजनों का ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिया।

सामान्य प्रेक्षक ने किया ईवीएम डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण

कोडरमा विजय यादव

आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के तहत कोडरमा विधानसभा क्षेत्र में चुनावी तैयारियों का जायजा लेने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक माल सिंह भयड़िया (भा.प्र.से) ने पॉलिटेक्निक कॉलेज कोडरमा स्थित ईवीएम डिस्पैच और रिसीविंग सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और भयमुक्त तरीके से संचालित करने के लिए जिला प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा की। प्रेक्षक ने ईवीएम-वीवीपैट की कमीशनिंग, ईवीएम का सुरक्षित मूवमेंट, स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा, बिजली आपूर्ति, और सीसीटीवी कैमरे से चौबीस घंटे निगरानी] की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान, निवार्ची पदाधिकारी ने ईवीएम डिस्पैच, रिसीविंग, और मतगणना केंद्र से जुड़ी सभी तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के अवसर पर अपर समाहर्ता पूनम कुजुर, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर, और जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मांडर, नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

मांडर - मांडर पुलिस ने 17 वषीर्या नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में हरकेश महतो को गिरफ़्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है. पुलिस के अनुसार वह हेसल घुघरी गांव का रहने वाला है. आरोप है कि हरकेश महतो पिता कमल महतो अपने बड़ी बहन के घर मुड़मा गयी नाबालिग लड़की को दो दिन पूर्व 25 अक्तूबर को घुमाने के बहाने बुढ़मू के तिरु फॉल ले गया था और वहीं पर जंगल में जबरन दुष्कर्म किया. मामले को लेकर उसके विरुद्ध शुक्रवार को पीड़िता के बयान पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी थी. हरकेश महतो पर पोक्सो एक्ट भी लगाया गया है !

भीड़ के दौरान यात्रियों की यात्रा को सुलभ बनाने के लिए ;पू. सी. रेलवे द्वारा और फेस्टिव स्पेशल ट्रेनें

मालीगांव,

2024 में चल रहे इस फेस्टिव सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, छह जोड़ी अतिरिक्त फेस्टिव स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है। फेस्टिव ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः ट्रेन संख्या 04680 (श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा झ्र कामाख्या) फेस्टिव स्पेशल 28 अक्टूबर और 2 नवंबर, 2024 को श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से 18:40 बजे रवाना होगी तथा क्रमशः 30 अक्टूबर और 4 नवंबर, 2024 को कामाख्या 21:00 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04679 (कामाख्या - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा) फेस्टिव स्पेशल 31 अक्टूबर और 5 नवंबर, 2024 को कामाख्या से 06:00 बजे रवाना होगी तथा क्रमशः 2 और 7 नवंबर, 2024 को श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा 06:20 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 07540 (कटिहार - मनिहारी) स्पेशल 26 अक्टूबर से 19 नवंबर, 2024 तक प्रतिदिन कटिहार से 20:30 बजे रवाना होगी और उसी दिन मनिहारी 21:30 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 07539 (मनिहारी - कटिहार) स्पेशल 27 अक्टूबर से 20 नवंबर, 2024 तक प्रतिदिन मनिहारी से 05:00 बजे रवाना होगी और उसी दिन कटिहार 06:00 बजे पहुंचेगी। दोनों ट्रेनें 25 फेरों के लिए चलेंगी। ट्रेन संख्या 05740 (न्यू जलपाईगुड़ी झ्र पटना) स्पेशल प्रत्येक शनिवार को न्यू जलपाईगुड़ी से 05:00 बजे रवाना होगी और उसी दिन पटना 17:40 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 05739 (पटना- न्यू जलपाईगुड़ी) स्पेशल प्रत्येक शनिवार को पटना से 19:30 बजे रवाना होगी और अगले दिन न्यू जलपाईगुड़ी 09:30 बजे पहुंचेगी। दोनों ट्रेनें 02 नवंबर से 30 नवंबर, 2024 तक 05 फेरों के लिए चलेंगी। ट्रेन संख्या 03501 (आसनसोल - कटिहार) स्पेशल 3 नवंबर, 2024 को आसनसोल से 14:30 बजे रवाना होगी और अगले दिन कटिहार 01:30 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 03502 (कटिहार - आसनसोल) स्पेशल 4 नवंबर, 2024 को कटिहार से 04:15 बजे रवाना होगी और उसी दिन आसनसोल 14:45 बजे पहुंचेगी। 07541 (कटिहार - दौरम मधेपुरा) स्पेशल कटिहार से प्रतिदिन 19:00 बजे रवाना होगी और उसी दिन दौरम मधेपुरा 22:00 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 07542 (दौरम मधेपुरा - कटिहार) स्पेशल प्रतिदिन दौरम मधेपुरा से 22:45 बजे रवाना होगी और अगले दिन कटिहार 02:30 बजे पहुंचेगी। दोनों ट्रेनें 26 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2024 तक 36 फेरों के लिए चलेंगी। ट्रेन संख्या 05744 (कटिहार - छपरा) स्पेशल 27 अक्टूबर से 28 नवंबर, 2024 तक प्रत्येक गुरुवार, रविवार और सोमवार को कटिहार से 16:00 बजे रवाना होगी तथा अगले दिन छपरा 00:20 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 05743 (छपरा - कटिहार) स्पेशल 28 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2024 तक प्रत्येक शुक्रवार, सोमवार और मंगलवार को छपरा से 04:30 बजे रवाना होगी तथा उसी दिन कटिहार 12:30 बजे पहुंचेगी। दोनों ट्रेनें 15 फेरों के लिए चलेंगी। इन ट्रेनों के ठहराव और समय-सारणी का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट और पू. सी. रेलवे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले विवरण की जांच कर ले।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने शहर के विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ शनिवार को उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार ने आस्था का महापर्व छठ पूजा को लेकर शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारियों ने काली भसान, टीन बंग्ला पोखर, शीतला मंदिर पोखर, बागतीपाड़ा, श्मसान काली तल्ला मंदिर काली पूजा पहुंच कर घाटों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने बताया गया कि घाटों के अवलोकन दौरान विशेष रुप से सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई सहित आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं को तंदुरूस्त रखने का निर्देश संलग्न पदाधिकारियों को दिया गया है। उन्होंने बताया कि यदि घाटों पर पानी की गहराई अधिक है, तो सुरक्षित स्थान तक बैरिकेडिंग करने, घाट तक आने वाले रास्तों समेत सभी घाटों पर रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था करने, व्रती जन के लिए चेंजिंग स्थल सहित शौचालय सुविधा, पीने का पानी रखने का निर्देश दिया गया है।उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर भी निर्देशित किया गया है, ताकि कहीं से भी कोई अप्रिय सूचना प्राप्त ना हो तथा जिलावासी हर्षोल्लास व रीति-रिवाज के साथ लोक आस्था के पर्व को मना सकें।

डीपीएस पाकुड़ के सभागार में अंतर-विद्यालय वाद - विवाद प्रतियोगिता हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ डीपीएस विद्यालय के सभागार में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंतर विद्यालयी वाद - विवाद प्रतियोगिता संपन्न हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य जे के शर्मा ने बताया कि बच्चों की तार्किक क्षमता बढ़ाने के लिए वाद -विवाद प्रतियोगिता एक सरल माध्यम है। अंतर विद्यालयी प्रतियोगिता के माध्यम से विभिन्न स्कूलों के बच्चों न सिर्फ एक दूसरे से मिलने का अवसर मिलता है बल्कि एक दूसरे को जानने समझने और मंच साझा करने का भी अवसर प्राप्त होता है जिससे उनमे एक स्वस्थ, जिम्मेदारी भारी सामाजिकता का विकास होता है। इससे उन में आत्मविश्वास की भी वृद्धि होती है, मौसम में गड़बड़ी की वजह से कुछ दूरस्थ के विद्यालय प्रतियोगिता में शामिल न हो सके। प्रतियोगिता में कुल 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।प्रतियोगिता को निष्पक्ष रूप से संपन्न करने के लिए निर्णायक मंडली में शामिल थे डॉ. शिव प्रसाद लोहरा (पूर्व प्राचार्य, के.के.एम कॉलेज), डॉ.हिमांशु शेखर महतो (के.के.एम. कॉलेज के शिक्षा विभागाध्यक्ष), डॉ. महूब आलम (के.के.एम. कॉलेज के शिक्षा विभागाध्यक्ष) और डॉ. शकील अहमद (के.के.एम. कॉलेज में प्राणि विज्ञान विभागाध्यक्ष)। पाकुड़ के सभी शिक्षाविदों ने प्रतियोगिता को निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय द्वारा निर्णायक मंडली के सभी सदस्यों को आभार व्यक्त करते हुए सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान पक्ष और विपक्ष के बच्चों का जोश देखते ही बन रहा था उनकी तार्किक क्षमता प्रभावित होकर सभागार में मौजूद सभी दर्शक वृंद जोरदार करताल ध्वनियों से प्रतिभागियों का जोश बढ़ा रहे थे। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र के साथ ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। साथ ही साथ प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य सभी प्रतिभागियों तथा उनके विद्यालयों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सहभागिता प्रमाण - पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

श्री शिव महापुराण कथा बोधगया में हर्षोल्लास से मनाया गया देव दीपावली महोत्सव

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए

शिव महापुराण कथा में दीयों की रौशनी से जगमगा उठा पण्डाल मानवत्व से ह्यदेवत्वह्न की यात्रा का नाम है देव दीपावली पर्व : डॉ. सर्वेश्वर..दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से कालचक्र मैदान, बोधगया में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के अंतिम दिवस कथा पंडाल में देव दीपावली पर्व अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गुरुदेव सर्व श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य कथा व्यास डॉ. सर्वेश्वर जी ने बताया कि कार्तिक मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व दीपावली की तरह ही विशेष महत्त्व रखता है। जिस प्रकार हम सब कार्तिक मास की अमावस्या को दीपावली का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाते हैं, उसी प्रकार कार्तिक मास की पूर्णिमा को देवता स्वर्ग में दीपावली का पर्व मनाते हैं। इस दिन देवाधिदेव महादेव ने त्रिपुरारी रूप धारण कर त्रिपुर दहन किया था और देवताओं को त्रिपुरासुर के आतंक

से मुक्त किया था। इसी प्रसन्नता में देवों ने स्वर्ग में दीपमाला कर दीपावली का पर्व मनाया, जिसे देव दीपावली पर्व के नाम से जाना जाता है। कथा व्यास जी ने बताया कि ये त्रिपुर प्रतीक हैं सत्व, रज, और तम के त्रिगुणों के, जिन्होंने हमारी देह राज्य पर आधिपत्य स्थापित कर सद्गुणों को निष्कासित कर दिया है। पूर्ण सद्गुरु वो क्रोधाजित महायोगी होते हैं ,जो साक्षात शिव रूप धारण कर हमारे भीतर आदि नाम के सुमिरन बाण से इन तीनों गुणों का अंत कर देते हैं और अपने शिष्य को त्रिगुणातीत अवस्था प्रदान करते हैं। उसके बाद साधक के भीतर भी सद्गुणों के दीप जगमगाते हैं,और वह पूर्ण ब्रह्म में स्थित हो जाता है। अतः देव दीपावली का पर्व यहीं सन्देश देता है कि हम भी अपने जीवन में एक ऐसे सद्गुरु का आश्रय ग्रहण करें जो हमारी श्वांसों के भीतर उस आदिनाम का सुमिरन प्रकट कर हमें ब्रह्म में स्थित कर दें। दिव्य गुरुदेव सर्व श्री आशुतोष महाराज जी ब्रह्मज्ञान के माध्यम से आज समाज में प्रत्येक व्यक्ति को वहीं आदिनाम का बाण प्रदान कर उन्हें देवत्व की ओर अग्रसर कर रहें हैं। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान इसी ब्रह्मज्ञान के लिए समाज के हर वर्ग का आह्वान करता है जिससे जन-जन में दैवीय गुणों यथा ऐक्य, शांति, प्रेम व सद्भावना का संचार कर इस धरा को ही स्वर्ग बनाया जा सके।अतः देव दीपावली का पर्व यही सन्देश देता है कि हम भी अपने जीवन में एक ऐसे सदगुरु का आश्रय ग्रहण करें जो हमारी क्षांसों के भीतर उस आदिनाम का सुमिरन प्रकट कर हमें ब्रह्म में स्थित कर दें। कार्यक्रम के पश्चात विदाई समारोह हुआ जिसमें सभी श्रोता बंधुओं की आंखें नम हो गया, हँसता हुआ माहौल गमों में बदल गया चूंकि

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कृषि विभाग में व्याख्यान का आयोजन

हजारीबाग-

आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कृषि विभाग में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एकदिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर मुख्य वक्ता केंद्रीय वर्षाश्रित उपजाऊ भूमि धान अनुसंधान केन्द्र, हजारीबाग के वरीय वैज्ञानिक डॉ प्रिया मेधा शरीक हुईं। उन्हें बुके भेंट कर कार्यक्रम में स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य वक्ता के साथ साथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार, कृषि संकाय डीन डॉ अरविंद कुमार सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत भाषण के दौरान डीन डॉ अरविंद कुमार ने विषय प्रवेश कराया और विद्यार्थियों को बताया कि कृषि के क्षेत्र में जितने भी शोध हो रहे हैं उसका पेटेंट कराना अत्यंत आवश्यक है। मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ प्रिया मेधा ने विद्यार्थियों को बताया कि दरअसल बौद्धिक संपदा अधिकार दिए जाने का मूल उद्देश्य मानवीय बौद्धिक सृजनशीलता को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा समय-समय पर इनके संरक्षण हेतु अनेक प्रयास भी किए जा रहे हैं, जिससे इस संदर्भ में लोगों की जागरूकता और बढ़ सके और इसके द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से लाभ प्राप्त हो सके। साथ ही उन्होंने शोध को पेटेंट कराने, कानुनी सुरक्षा, कॉपीराइट, व्यापार-चिन्ह, औद्योगिक डिजाइन, व्यापार रहस्य और जीआई टैग के बारे में विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने ब्रांडेड बीज की बाजारों में बढ़ते मांग के मद्देनजर अपने कृषि उत्पादों को पंजीकृत कराने पर बल दिया। वहीं कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने ऐसे कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि दरअसल यह आयोजन आज के युवाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से किया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने डीएलएमटी एवं एएलएमटी के साथ समाहरणालय स्थित सभागार में की बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःविधानसभा आम निर्वाचन 2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी,सुचारू व शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए शनिवार को समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में डीएलएमटी एवं एएलएमटी के साथ बैठक की। चुनाव को टीम वर्क बताते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी मनीष कुमार ने सभी डीएलएमटी एवं एएलएमटी की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से बताया और उन्हें चुनाव के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान तालमेल के साथ काम करने से सफलता मिलेगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव में त्रुटि रहित निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराना निर्वाचन से जुड़े हम सभी पदाधिकारियों का कर्तव्य है।उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के लिए प्रत्येक बिंदु पर आयोग के स्पष्ट दिशा निर्देश प्राप्त हैं स्वच्छ, निष्पक्ष शांतिपूर्ण एवं त्रुटि रहित निर्वाचन के लक्ष्य को आयोग के स्पष्ट दिशा निर्देशों का अनुपालन कर प्राप्त किया जा सकता है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव 2024 अंतर्गत जिले के पाकुड़, महेशपुर एवं लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 20 नवंबर को मतदान होना है। कई मतदान केंद्र महिलाओं की ओर से संचालित किया जाना है, जिसमें पीठासीन पदाधिकारी, पी 1, पी 2 एवं पी 3 महिलाएं होंगी। इन मतदान कर्मियों का 29 अक्टूबर को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने डीएलएमटी एवं एएलएमटी को विषयवार महत्वपूर्ण बातों से मतदान कर्मियों को अवगत कराने हेतु निर्देशित किया।

Format C-7

Information regarding individuals with pending criminal cases, who have been selected as candidates, along with the reasons for such selection, as also as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates

(As per the Commission's directions issued in pursuance of the Order dated 13.02.2020 of the Hon'ble Supreme Court in contempt petition(C) no. 2192 of 2018 in WP(C) no. 536 of 2011)

Name of Political Party : BAHUJAN SAMAJ PARTY
Name of the Election : Legislative Assembly General Election 2024
Name of State/UT : JHARKHAND PHASE-1
Name of the Constituency : **25 - HAZARI BAGH**
Name of the Candidate : **ABHISHEK KUMAR**

Sl.No.			
1.	Criminal antecedents		
	a.	Nature of the offences	Section 420, 467, 468, 471 of IPC
	b.	Case No.	Case No. 0063/2023
	c.	Name of the Court	CJM Hazaribagh
	d.	Whether charges have been framed or not (Yes/No)	Yes
	e.	Date of conviction, if any	NIL
	f.	Details of punishment undergone, if any	NIL
	g.	Any other information required to be given	N.A
2.	The reasons for the selection of the candidate. Selection shall be with reference to the qualifications, achievements and merit of the candidate, and not mere "winnability" at the polls (not more than 100 words)		In comparison to the other candidates and their history, it was found to be suitable being the candidate has stated that false FIR has been lodged against him
3.	Reasons as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates (not more than 100 words)		The offences are to be based on personal Rivalry . His image supported by the local office bearers of the party as clean and good.

--- sd ---
Signature of office bearer of the Political Party
Name and designation : Sridhar (National Treasurer)

संक्षिप्त समाचार

कोडरमा विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा, प्रेक्षक ने की बरियारडीह चेकपोस्ट और मतदान केंद्रों की जांच

कोडरमा विजय यादव

विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के निमित्त 19-कोडरमा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के द्वारा प्रतिनियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्री माल सिंह भयड़िया (भा.प्र.से) द्वारा 19 कोडरमा विधानसभा क्षेत्र निमित्त बरियारडीह चेकपोस्ट का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में उन्होंने स्टेटिक सर्विलांस टीम द्वारा किए जा रहे वाहन जांच पंजी की जांच की । उन्होंने निर्देश दिया कि छोटे-बड़े सभी वाहनों की जांच की जाए, और अगर किसी वाहन से आपत्तिजनक सामग्री या अवैध राशि बरामद होती है तो उसे जब्त कर तत्काल जिला प्रशासन को सूचित किया जाए।निरीक्षण के दौरान दण्डाधिकारी और सभी अधिकारियों द्वारा छोटे-बड़े वाहनों की जांच करने की जानकारी ली, जिसमें वाहनों के डैशबोर्ड और डिक्की की विशेष रूप से जांच करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तैनात पुलिसकर्मियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अलावा सामान्य प्रेक्षक ने डोमचांच प्रखंड अंतर्गत फुलवारिया, नावाडीह, बगडो समेत अन्य स्थानों का भ्रमण कर विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केंद्र पर मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशानिर्देश दिये।

अलग-अलग मारपीट की घटनाओं में चार लोग घायल

संवाददाता बरकट्ठा

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र में अलग-अलग जगह पर हुई मारपीट की घटना में चार लोग घायल हो गये। शनिवार को हुई मारपीट में ग्राम तुइयो निवासी विकास कुमार 23 वर्ष पिता प्रकाश महतो, टुकलाल प्रसाद 23 वर्ष पिता प्यारी महतो, ग्राम मासिपीड़ी निवासी बसमतिया देवी 38 वर्ष पति प्रकाश मंडल तथा शुक्र वार 25 अक्टूबर की शाम को हुई मारपीट में ग्राम मधुबन निवासी कलिया देवी 45 वर्ष पति बंसी यादव घायल हो गईं। घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा में किया गया।

बरकट्ठा विधानसभा से अनूप कुमार उर्फ अनूप भाई ने किया नामांकन दाखिल

बरकट्ठा-

बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र से अटल विचार मंच के प्रत्याशी अनूप कुमार उर्फ अनूप भाई ने नामांकन दाखिल कर दिया। अनूप भाई अपने समर्थक के साथ नामांकन रैली निकालते हुए निर्वाचन कार्यालय बरही पहुंचकर औपचारिक रूप से नामांकन पत्र जमा किया। उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं और भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। नामांकन दाखिल करने के बाद अनूप भाई ने कहा कि बरकट्ठा के मतदाताओं से क्षेत्र के विकास और प्रगति का वादा किया। अनूप भाई ने कहा कि बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्रवासी नेता नहीं बेटा को चुने जो उनके विकास के लिए कार्य करे। अनूप भाई के चुनावी अभियान का मुख्य मुद्दा, चलकुशा से बरकट्ठा होते हुए इचाक हजारीबाग तक रेल मार्ग से जोड़ने का कार्य करूंगा, एशिया महादेश के सबसे अधिक गर्म कुंड सूर्यकुण्ड को एक राष्ट्रीय प्राकृतिक स्थल के रूप में करना है, पूरे विधानसभा में पेड़ लगाकर हरा भरा करना, उच्च शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवा तथा मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराना प्रथम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जो लोग वर्षों से इस विधानसभा क्षेत्र में शासन कर रहे है उन्होंने विकास के नाम पर सिर्फ झूठे वादे किए है। बरकट्ठा विधानसभा के इचाक, चलकुशा, बरकट्ठा आदि क्षेत्रों से हजारों लोग शामिल रहे। अनूप भाई नामांकन दाखिल करने पर उनके समर्थकों में खुशी के माहौल देखने को मिला। समर्थकों ने फूल मालाओं से अनूप भाई का स्वागत किया और चुनाव में जीत दिलाने के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया।

हर्ष अजमेरा की आशीर्वाद जन यात्रा, तीसरे विकल्प के लिए समर्थन की अपील

हजारीबाग-

निर्दलीय प्रत्याशी हर्ष अजमेरा ने कटकमसांडी प्रखंड में आशीर्वाद जन यात्रा के तहत विभिन्न पंचायतों का दौरा कर जनता से सीधा संवाद किया। शनिवार को रिमझिम बारिश के बीच शाहपुर के दुर्गा मंदिर में पूजा के साथ शुरू हुई इस यात्रा में उन्होंने दुर्गा मां का आशीर्वाद लेकर जनता का समर्थन मांगा। अजमेरा ने जनता से तीसरा विकल्प चुनकर क्षेत्र में बदलाव लाने की अपील की। दौरे के दौरान अजमेरा ने क्षेत्र के प्रमुख चौकों और गांवों का भ्रमण कर लोगों की समस्याएं सुनीं और रोजगार व महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया। जनता ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया, विशेषकर युवाओं में उनके प्रति विश्वास दिखाई दिया। अजमेरा ने क्षेत्रवासियों को विकास का भरोसा दिलाते हुए कहा कि उनका नेतृत्व जनता की आवाज बनेगा। स्थानीय लोगों ने उनकी पिछली पहल, जैसे बिजली और पानी की समस्याओं के समाधान के प्रयासों की सराहना की। जन यात्रा के दौरान क्षेत्र में अब की बार, तीसरा विकल्प के नारों से उत्साह का माहौल बन गया।

भाजपा प्रत्यशी(मधुपुर)गंगा नारायण सिंह ने जनसंपर्क अभियान चलाया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अमडीहा पंचायत के दर्जनों गांव में घूम-घूम कर भाजपा प्रत्याशी गंगा नारायण सिंह ने जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने अपने पक्ष में वोट करने का लोगों से अपील किया और भारी मतों से विजयी बनाने का अपील किया। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ बलनाडीह, घोंघाडीह, गढ़वा आदि दर्जनों गांव टोले में पैदल यात्रा कर मतदाताओं से मिले और जीत दिलाने का अपील किया। मौके पर सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

वैष्णव युवा ब्रिगेड के तत्वावधान में गया जी में वेंकटेश्वर सेवाश्रम का हुआ लोकार्पण

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए

वैष्णव युवा ब्रिगेड के तत्वावधान में गया जी के पावन भूमी पर सीता कुंड के नजदीक स्वामी सहजानंद सरस्वती कॉलोनी में चक्रपाणि स्वामी जी द्वारा निर्मित श्री वेंकटेश्वर सेवाश्रम में विगत 24 /10/2024 से आयोजित श्री वेंकटेश्वर सेवाश्रम लोकार्पण सह श्रीमद्भागवत कथा सत्संग में आज यज्ञ मंडप प्रवेश के साथ ही श्री वेंकटेश्वर भगवान की प्रतिमा का अनावरण श्री वैष्णव सिद्ध पीठाधीश्वर नरहट के स्वामी रंगनाथाचार्या जी, श्री चक्रपाणि स्वामी जी,अयोध्या के श्री रंगनाथ स्वामी,सहित दर्जनों आचार्य एवम उचिरमा गुरुकुल के शिष्यों द्वारा भव्य मंत्रोचार पुजन के साथ किया गया। नरहट पीठाधीश्वर स्वामी रंगनाथाचार्य जी द्वारा बताया गया की चक्रपाणि स्वामी द्वारा श्री वेंकटेश्वर सेवाश्रम सह वेंकटेश्वर भगवान की प्रतिमा स्थापित कर गया जी के पावन भूमी को और अविस्मरणीय कर दिया गया। यह समस्त वैष्णव परिवार के लिए गौरव की बात है तथा स्वामी जी ने श्रद्धालुओं को बताया कि गया जी विष्णु धाम दर्शन पश्चात सीता कुंड भ्रमण एवम श्री वेंकटेश्वर सेवाश्रम में वेंकटेश भगवान का दर्शन मात्र से लोगो को अविश्वसनीय अनुभूति प्रदान होगी। सेवाश्रम के मुख्य संस्थापक स्वामी चक्रपाणि जी ने बताया की अभी यह कार्यक्रम कथा प्रवचन सत्संग 30/10/2024 तक चलेगा एवम 30 अक्टूबर को भव्य भंडारे के साथ पूणाहुति होगी। साथ ही इस सेवाश्रम में बाहर से आने वाले श्रद्धालु एवम वैष्णव परिवार हेतु यह अनवरत महाप्रसाद की व्यवस्था,ग्रामीण क्षेत्र के शिष्यों हेतु गुरुकुल के साथ आवासन व्यवस्था भी मिलेगी। साथ ही प्रतिदिन प्रातः एवम संध्या श्री वेंकटेश्वर भगवान की पूजन आरती भजन का कार्य अनवरत चलते रहेगा। यहां आने वाले श्रद्धालू को प्रसाद की भी व्यवस्था रहेगी। वैष्णव युवा ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया की समस्त वैष्णव परिवार के लिए ये बड़ा ही शौभाग्य की बात है ऐसे संस्थान स्थापित होने से सनातन संस्कृति जागृत होगी और सनातन धर्म के प्रति लोगो की आस्था भी बढ़ेगी। एक तरफ जहां गया जी में अनेकों देवी देवताओं की मंदिर स्थापित है वही अब श्री वेंकटेश्वर भगवान का भी लोगों को साक्षात दर्शन लाभ मिलेगा। मोक्षदायिनी फल्गु नदी के पूर्वी तट पर स्थापित श्री वेंकटेश्वर सेवाश्रम सह वेंकटेश्वर भगवान मंदिर लोगो के लिए भव्य आस्था का केंद्र बनेगा।

भाजपा प्रत्याशी प्रदीप प्रसाद ने चलाया आशीर्वाद यात्रा , गौ माता को गुड रोटी खिला कर लिया आशीर्वाद

हजारीबाग-

हजारीबाग सदर विधानसभा प्रत्याशी प्रदीप प्रसाद ने अपने दिनचर्या में पूजा करने के पश्चात गौ माता को गुड रोटी खिला कर आशीर्वाद यात्रा प्रारंभ किया ' भाजपा प्रत्याशी प्रदीप प्रसाद ने आशीर्वाद यात्रा के दौरान हजारीबाग सदर विधानसभा के जिनगा, महेशरा, जोन्हिया, झुमरा, रामदेव खरिका, कावालू, गोपलों, तिलैया, हरली, पेट्टो, बासोबार, भटविगहा, दारूखरिका, बख्शीडीह, दारूडीह, जबरा, सुलतानी, पिपचों, चिरवां, इरगा सहित दर्जनों गांवों का दौरा किया जहां क्षेत्र के लोगों ने भाजपा प्रत्याशी का अभिवादन किया और एक स्वर में भाजपा के पक्ष में मतदान करने का संकल्प लिया आशीर्वाद यात्रा के दौरान लोगों का आशीर्वाद लेते हुए प्रदीप प्रसाद ने कहा कि मैं वर्षों से क्षेत्र के लोगों के सुख दुःख का साथी रहा हूँ और यह निरंतर रहेगा आपका प्यार और आशीर्वाद हर पल मुझे राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है आगे उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में 13 नवंबर को कमल निशान (भाजपा) के पक्ष में मतदान कर मुझे अपना बहुमूल्य आशीर्वाद दें क आशीर्वाद यात्रा के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए श्री प्रसाद ने कहा कि इंडी गठबधन सरकार से त्रस्त प्रदेश की जनता भी सुशासन की स्थापना के लिए भाजपा सरकार बनाने के लिए संकल्पित हैं ' आने वाले दिनों में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ राज्य में सरकार बनाने जा रही है आशीर्वाद यात्रा के दौरान ओ बी सी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव ने कहा कि वर्तमान में हेमंत सोरेन की सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है जिसकी विदाई तय है जिसका फैसला जनता का अदालत में आ गया है और मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आगामी चुनाव में उनके शोषण और भ्रष्टाचार का जवाब एक एक लोग ई वी एम पर कमल का बटन दबा कर देगी '

झामुमो नेता व बोरियो विधानसभा प्रत्याशी ने की मन्दिर में पूजा व बैठक

मंडरोः झामुमो नेता पंकज मिश्रा व बोरियो विधानसभा से झामुमो प्रत्याशी धनंजय सोरेन ने मिजाचौकी गैलेक्सी मैदान स्थित चैती दुर्गा मंदिर में पूजा पाठ कर मां का आशीर्वाद लिया। मन्दिर में पूजा करने के बाद झामुमो नेता पंकज मिश्रा जेएमएम बोरियो विधानसभा प्रत्याशी धनंजय सोरेन के नीमगाछी स्थित आवास में जेएमएम कार्यकर्त्ताओ के साथ बैठक की। जेएमएम कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। झामुमो कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कार्यकताओं से विधानसभा चुनाव की तैयारी में युद्ध स्तर पर जुटने की अपील की ।मौके पर जेएमएम बोरियों विधानसभा प्रत्याशी धनंजय सोरेन , जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू समेत अन्य मौजूद थे। पंकज मिश्रा ने कहा कि जनता ही उनके मालिक है और कार्यकर्ता पार्टी की रीड है ।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने पर भी कार्यकताओं ने हिम्मत नहीं हारी और एकजुट रहे जनता का भी पूरा साथ मिला ।लोकसभा चुनाव का परिणाम इसका प्रमाण है। आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर जेएमएम कार्यकताओं को कई दिशा निर्देश दिया गया ।उन्होंने आगे कहा संथाल परगना सहित झारखंड की सभी सीटों पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायकों को जीताने और हेमंत सोरेन के नेतृत्व में फिर से सरकार बनाने का आह्वान किया।

मांडू विधानसभा से डॉ. नजीर अंसारी ने भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के नेताओं से की मुलाकात, विकास के लिए मांगा समर्थन

मांडू-

मांडू विधानसभा सीट के भावी विधायक प्रत्याशी डॉ. नजीर अंसारी ने विष्णुगढ़ प्रखंड में भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ मुलाकात की। इस बैठक में आगामी चुनाव की रणनीतियों और क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। डॉ. अंसारी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास को प्रमुख मुद्दों के रूप में रेखांकित किया और कहा कि जनता अब बदलाव की उम्मीद कर रही है। उन्होंने कहा कि मांडू विधानसभा के लोगों को बुनियादी सुविधाओं का लाभ दिलाना उनका मुख्य उद्देश्य है, और उन्होंने क्षेत्र को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए सभी से समर्थन की अपील की। बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि इस बार मांडू विधानसभा सीट से आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार डॉ. नजीर अंसारी को भारी मतों से विजयी बनाएंगे।

के.ए. पॉल ने कांग्रेस के दलबदलुओं और मंत्री पौंगुलेटी पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (आरएनएस) ।वैश्विक शांति पहल के अध्यक्ष, डॉ. के.ए. पॉल ने तेलंगाना प्रशासन की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि एक सरकारी हेलिकॉप्टर, जिसका उपयोग हाल ही में आई बाढ़ के दौरान मानवीय राहत कार्यों के लिए होना चाहिए था, उसे राजनीतिक प्रचार के लिए उपयोग किया गया। यह विवाद तब उठता है जब तेलंगाना विशेष रूप से खम्मम जैसे क्षेत्र गंभीर बाढ़ संकट का सामना कर रहा हैं। डॉ. पॉल ने कहा कि ₹जब खम्मम के लोग बाढ़ से प्रभावित हो रहे हैं, तो हेलिकॉप्टर को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया गया।₹ उन्होंने अपने मानवतावादी कार्यों का उल्लेख किया और कहा कि सरकारी संसाधनों का प्राथमिक उपयोग जनता की भलाई के लिए होना चाहिए। बता दें कि डॉ. पॉल ने स्वयं 2004 में आई सुनामी के दौरान अपने निजी विमान का इस्तेमाल करके राहत कार्य किया था। डॉ. पॉल ने यह भी कहा कि इस हेलिकॉप्टर में बड़ी रकम, जो कि सौ करोड़ से अधिक हो सकती है, का परिवहन किया गया। उन्होंने इस पर गहन जांच की मांग की और कहा, ₹सार्वजनिक धन और संसाधनों का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। डॉ. पॉल ने तेलंगाना उच्च न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से दायर एक मामले में, उन 10 विधायकों की अयोग्यता की मांग की जो बीआरएस के टिकट पर चुने गए थे और कांग्रेस में शामिल हो गए। पूर्व में आए न्यायायिक निर्णयों का हवाला देते हुए, उन्होंने भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची जो ऐसे दलबदल को रोकती है का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, ₹इन विधायकों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों के जनादेश का विश्वासघात किया है और उन्हें तुरंत अयोग्य ठहराया जाना चाहिए।

डॉ. पॉल ने कांग्रेस द्वारा उठाए गए तर्कों का जवाब देते हुए कहा कि केवल स्पीकर अयोग्यता पर निर्णय ले सकता है, यह लोकतांत्रिक मानकों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा, ₹किसी एक पार्टी के स्पीकर द्वारा अपने ही दल के दलबदलुओं को निष्पक्ष रूप से अयोग्य ठहराने का प्रश्न ही नहीं उठता। डॉ. पॉल ने तेलंगाना कांग्रेस मंत्री पौंगुलेती श्रीनिवास रेड्डी की कथित धमकियों पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि मंत्री की संपत्ति और सरकार में प्रभाव की उत्पत्ति की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ₹सार्वजनिक कार्यालय में कोई भी व्यक्ति जांच से बच नहीं सकता।

Format C-7

Information regarding individuals with pending criminal cases, who have been selected as candidates, along with the reasons for such selection, as also as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates

(As per the Commission's directions issued in pursuance of the Order dated 13.02.2020 of the Hon'ble Supreme Court in contempt petition(C) no. 2192 of 2018 in WP(C) no. 536 of 2011)

Name of Political Party : BAHUJAN SAMAJ PARTY
Name of the Election : Legislative Assembly General Election 2024
Name of State/UT : JHARKHAND PHASE-1
Name of the Constituency : **79 - HUSSAINABAD**
Name of the Candidate : **KUSHWAHA SHIVPUJAN MEHTA**

Sl.No.			
1.	Criminal antecedents		
	a.	Nature of the offences	1. Section 143, 341, 355, 353, 290, 504, 506 of IPC. 2. Section 341, 342, 504, 506/34 of IPC. 3. Section 143, 341, 353, 355, 290, 504, 506 of IPC. 4. Section 341, 342, 504, 506/34 of IPC. 5. Section 147, 149, 341, 323, 332, 353 of IPC. 6. Section 147, 148, 149, 341, 342, 353, 186, 188, 504, 506 of IPC
	b.	Case No.	1. Case No. GR 2670/21 2. Case No. GR 1706/20 3. Case No. GR 2658/21 4. Case No. 15/22 Hariharganj P.S. 5. Case No. GR 2725/23 6. Case No. 220/2022 Amba P.S.
	c.	Name of the Court	1. Spl.Magistrate MP/MLA Court Palamu 2. ACJM Daltonganj, Palamu 3. Spl.Magistrate MP/MLA Court Palamu 4. F.F. 5. MP/MLA Court Ranchi 6. F.F.
	d.	Whether charges have been framed or not (Yes/No)	1. Yes 2. No 3. Yes 4. No 5. No 6. No
	e.	Date of conviction, if any	1. 09.08.18 3. 09.08.18
	f.	Details of punishment undergone, if any	Case No. GR 2670/21,Order dt. 06.02.23 by Spl, Magistrate MP/MLA Court Palamu, 2 year Imprisionment imposed
	g.	Any other information required to be given	Appeal filed, Criminal Appeal No 17/2023, Order and Sentence suspended till disposal of the Appeal.
2.	The reasons for the selection of the candidate. Selection shall be with reference to the qualifications, achievements and merit of the candidate, and not mere "winnability" at the polls (not more than 100 words)		In comparison to the other candidates and their history, it was found to be suitable being the candidate has stated that false FIR has been lodged against him
3.	Reasons as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates (not more than 100 words)		The offences are to be based on political vendetta . His image supported by the local office bearers of the party as clean and good.

--- sd ---
Signature of office bearer of the Political Party
Name and designation : Sridhar (National Treasurer)

राहुल गांधी के संविधानवाद को समझना जरूरी क्यों

>> विचार

“ आरएसएस को मनुस्मृति के आधार पर संविधान चाहिए था। इसलिए संघ ने बाबासाहब अम्बेडकर द्वारा लिखे गए संविधान को मानने से इनकार कर दिया। लंबे समय तक संघ संविधान का खुलकर विरोध करता रहा। लेकिन 1990 के दशक में उसने चुप्पी ओढ़ ली। फिर इसी संविधान के बल पर उसकी राजनीतिक शाखा भाजपा केंद्र की सत्ता में दाखिल हुई। दस साल से केंद्र में स्थापित होने के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव के समय अधिकतर संघी पृष्ठभूमि वाले भाजपा के दर्जनों नेताओं ने संविधान बदलने के लिए 400 सीटें जीतने का ऐलान किया। हालांकि चुनाव में भाजपा के मनसूबे पूरे नहीं हुए। लेकिन यह खतरा अभी टला नहीं है।

रविकान्त

साल 2024 राजनीतिक दृष्टिकोण से अति महत्वपूर्ण है। इस साल 18वीं लोकसभा का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव नतीजों ने एक बात पर मजबूती से मुहर लगाई है कि संविधान बदलने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोकसभा चुनाव से लेकर हरियाणा, जम्मू कश्मीर और झारखंड, महाराष्ट्र में भी विपक्षी इंडिया गठबंधन और खासकर राहुल गांधी लगातार संविधान के मुद्दे पर मुखर हैं। राहुल गांधी संविधान पर अब एक नया विमर्श खड़ा कर रहे हैं। राहुल गांधी द्वारा संविधान सम्मान सम्मेलन की पिछली दो सभाओं के भाषणों पर गौर करें तो एक बात स्पष्ट नजर आती है कि संविधान में निहित ऐतिहासिक विरासत, पूर्व धारणाओं तथा मूल्यों पर वह जोर दे रहे हैं। कोल्हापुर, महाराष्ट्र (5 अक्टूबर) की सभा में उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर संविधान की रक्षा की बात कहते हुए उसमें निहित मूल्यों और परिवर्तनवादी अतीत का जिक्रकिया। ब्राह्मणवादी शक्तियों द्वारा किये गए छत्रपति शिवाजी महाराज के अपमान की याद दिलाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जिस विचार ने उनका राज्याभिषेक नहीं होने दिया, उसी विचार के लोग आज सत्ता में हैं। सत्ताधारियों ने नई संसद और राम मंदिर के उद्घाटन में आदिवासी राष्ट्रपति को नहीं बुलाकर उनका अपमान किया। राहुल गांधी ने अपने भाषण में शाहूजी महाराज, ज्योतिबा फुले और डॉ. अंबेडकर को भी याद किया।

समता, स्वतंत्रता और न्याय के संघर्ष में मराठी संत तुकाराम, बसवन्ना, गुरु नानक और सामाजिक क्रांतिधर्मी ज्योतिबा फूले और डॉ. अंबेडकर का चिंतन भारत के संविधान में निहित है। यही बात राहुल गांधी ने झारखंड की राजधानी रांची के संविधान सम्मान सम्मेलन (19 अक्टूबर) में दोहराई। पूछा जा सकता है कि राहुल गांधी बार-बार इन बातों को क्यों दोहरा रहे हैं? 13 दिसम्बर 1946 को देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव से शुरू हुआ संविधान निर्माण 25 नवंबर 1949 को पूरा हुआ।

अगले दिन 26 नवम्बर को संविधान भारत के लोगों को आत्मार्पित (पारित) किया गया। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान 26 जनवरी 1930 को पूर्ण स्वराज की आधिकारिक घोषणा को लागू करते हुए पहला स्वाधीनता दिवस मनाया गया था। इस तारीख को यादगार बनाने के लिए संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। लेकिन राहुल गांधी संविधान निर्माण की तीन साल की काल अवधि को भारत की विशाल परंपरा से जोड़ रहे हैं। रांची में उन्होंने भगवान बुद्ध को याद करते हुए उनके मूल्यों को संविधान से संबद्ध किया। आखिर क्या कारण है कि राहुल गांधी संविधान की यात्रा को तथागत बुद्ध तक लेकर जा रहे हैं? आमतौर पर संविधान को 1857 से लेकर 1947 के बीच 90 साल तक चले स्वाधीनता आंदोलन और विचार-चिंतन का परिणाम माना जाता है। कांग्रेस के विभिन्न अधिवेशनों में पारित प्रस्ताव और अंग्रेजी सरकार द्वारा लागू गए नियम तथा अनेक देशों के महत्वपूर्ण प्रावधानों को संविधान में शामिल किया गया। गौरतलब है कि संविधान पारित होने के तीन दिन बाद ही (30 नवम्बर, 1949) आरएसएस ने संविधान पर हमला बोलते हुए अपने मुखपत्र 'आर्गेनाइजर' में लिखा था कि 'भारतीय संविधान औपनिवेशिक दासता का प्रतीक है। इस पर विदेशी प्रभाव है।' आरएसएस के अनुसार संविधान में 'कुछ भी भारतीय नहीं है क्योंकि इसमें मनु की संहिताएं नहीं हैं। आरएसएस को मनुस्मृति के आधार पर संविधान चाहिए था। इसलिए संघ ने बाबासाहब अम्बेडकर द्वारा लिखे गए संविधान को मानने से इनकार कर दिया। लंबे समय तक संघ संविधान का खुलकर विरोध करता रहा। लेकिन 1990 के दशक में उसने चुप्पी ओढ़ ली। फिर इसी संविधान के बल पर उसकी राजनीतिक शाखा भाजपा केंद्र की सत्ता में दाखिल हुई। दस साल से केंद्र में स्थापित होने के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव के समय अधिकतर संघी पृष्ठभूमि वाले भाजपा के दर्जनों नेताओं ने संविधान बदलने के लिए 400 सीटें जीतने का ऐलान किया। हालांकि चुनाव में भाजपा के मनसूबे पूरे नहीं हुए। लेकिन यह खतरा अभी टला नहीं है। आरएसएस का अंतिम लक्ष्य डॉ.अंबेडकर के संविधान को हटाकर मनुवादी संविधान लागू करके भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना है। धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद जैसे आधुनिक विचारों को संघ ही नहीं भाजपा के नेता भी विदेशी मानते हैं। भारतीयता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का नारा देने वाला संघ संविधान को गैर-भारतीय घोषित करना चाहता है। राहुल गांधी अपने भाषणों के जरिए लगातार एक विचार को मजबूत कर रहे हैं कि संविधान में निहित मूल्य भारतीय हैं। हमारा संविधान स्वतंत्रता, समानता और सम्मान की एक पूरी धारा का प्रतिनिधित्व करता है। गौरतलब है कि डॉ अंबेडकर ने अपनी चर्चित किताब 'क्रांति प्रति-क्रांति' में बुद्ध की परंपरा को क्रांतिधर्मी परंपरा कहा है। उनका मानना है कि वैदिक और हिंदुत्व की वर्णवादी व्यवस्था ने शूद्रों और अछूतों को समाज से बहिष्कृत किया। हिंदुत्व के विचार और व्यवस्था में सदियों तक शूद्रों और दलितों का दमन और शोषण किया जाता रहा। स्वयं डॉ अंबेडकर ने प्रारूप समिति के अध्यक्ष के तौर पर क्रांतिधर्मी और परिवर्तनवादी आधुनिक मूल्यों को संविधान में समाहित किया। राहुल गांधी ने रांची में बहुत मुखरता से संविधान के सामने संघ की मंशा मनुस्मृति का भी जिक्रकिया। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष सिर्फ तात्कालिक नहीं है बल्कि सदियों पुरानी लड़ाई है। मनुस्मृति के जरिए जो अमानवीयता और अन्याय की व्यवस्था खड़ी की गई थी, आज सत्ताधारी उसी व्यवस्था को देश के पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर लादने की कोशिश कर रहे हैं। इस मानसिकता के नए शिकार अल्पसंख्यक हैं। मुसलमानों और ईसाइयों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना इसी व्यवस्था का हिस्सा है।

राहुल गांधी ने इस बात को समझ लिया है कि केवल चुनावी राजनीति के जरिए इस लड़ाई को नहीं जीता जा सकता है। नरेंद्र मोदी के दस साल के शासन में खुलकर मनुस्मृति का महिमामंडन किया गया। कतिपय नेताओं और राजनीतिक महत्वाकांक्षी बाबाओं ने मनुस्मृति को लागू करने की मांग की। डॉ आंबेडकर के बाद भारत की राजनीति में संघियों की मंशा को मान्यवर कांशीराम ने बखूबी समझा था। उन्होंने राजनीति की एक नई भाषा विकसित की। कांशीराम जी द्वारा स्थापित बसपा की राजनीतिक सफलता की कहानी तो कही जाती है लेकिन उन्होंने जो भाषा और संगठन की शैली विकसित की, उसका विस्तार से विश्लेषण और मूल्यांकन होना अभी बाकी है। बाबासाहेब ने जातिगत शोषणकारी व्यवस्था को ब्राह्मणवाद कहा था। मान्यवर कांशीराम ने इसे मनुवाद की संज्ञा दी । अंबेडकर ने ब्राह्मणवादी व्यवस्था के लिए अंततः तमाम हिंदू धर्मशास्त्रों को उत्तरदायी ठहराया। लेकिन सर्वाधिक खतरनाक मनुस्मृति की 25 दिसंबर 1927 को होली जलाई। मान्यवर कांशीराम ने मनुस्मृति पर आधारित ब्राह्मणवाद को मनुवाद कहा। उनका पूरा आंदोलन और संघर्ष इस मनुवादी व्यवस्था को मिटाने के लिए था। लेकिन उनके दिवंगत होने के बाद इस राजनीतिक आंदोलन को ब्रेक लग गया। इसके बाद प्रतिक्रियावादी और मनुवादी आरएसएस भाजपा के जरिए सत्ता के केंद्र तक पहुंच गया। आज मनुवादी व्यवस्था को पुनर्स्थापित करने के लिए संघ बेचैन है। चुनावी लोकतंत्र में सीधे तौर पर संघ इस व्यवस्था को थोपने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। इसलिए उसका मकसद पहले संविधान को हटाकर लोकतंत्र को बेमानी बना देना और उसके बाद हिन्दू राष्ट्र की स्थापना करना है। हिन्दू राष्ट्र के मायने क्या है? स्त्रियों, दलितों और वंचितों को ब्राह्मणवादी व्यवस्था में विवेकहीन और असहाय गुलाम बनाना। इसलिए आज की सबसे बड़ी लड़ाई संविधान को बचाने की लड़ाई बन गई है। संविधान के प्रति सम्मान ही नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा करना असली दायित्व है। महत्वपूर्ण यह है कि राहुल गांधी ने इस खतरे को भांपकर अपनी पूरी राजनीति को संविधान पर केंद्रित कर दिया है। राहुल गांधी ने डॉ अम्बेडकर से लेकर भगवान बुद्ध की विरासत का जिक्रकरके यह बता दिया है कि उनकी नजर में भारतीयता और भारतीय परंपरा क्या है। यह पूरी विरासत भारत के संविधान में निहित है। मनुस्मृति पर आधारित ब्राह्मणवादी वर्णव्यवस्था भारत की विरासत नहीं हो सकती। इसीलिए राहुल गांधी ने रांची में कहा कि संविधान को खतरा मनुस्मृति से है। राहुल गांधी आरएसएस की सोच पर सीधा हमला कर रहे हैं। अब सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी इस वैचारिक लड़ाई को जीत पाएंगे?

संपादकीय

भारत ब्रिक्स की 'ग्लोबल साउथ'

ब्रिक्स घोषणापत्र में आतंकवाद को भी शामिल किया गया है और साझी लड़ाई का आह्वान भी किया गया है, लेकिन आतंकवाद पर ही ब्रिक्स के कुछ देशों में, द्विपक्षीय स्तर पर, विरोधाभास भी हैं। सामूहिक स्तर पर उन्हें बेमानी माना गया है। संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार को भी मुख्य मुद्दा मान कर कजान घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है। ब्रिक्स शुरुआत में आर्थिक और कारोबारी समन्वय के मुद्दों तक ही विमर्श करता था, लेकिन कजान सम्मेलन के दौरान इजरायल के हमलावर व्यवहार की निंदा और गाजा-पट्टी में उसके किए गए हमलों की भर्त्सना की गई है। इजरायल से तत्काल और स्थायी संघर्ष-विराम करने की मांग भी की गई है, लेकिन अक्तूबर, 2023 में हमास ने इजरायल पर जिस तरह का कातिलाना हमला किया था, घोषणापत्र में उसका कोई उल्लेख नहीं है। माना जाता है कि भारत ने जून, 2024 में विदेश मंत्रियों की बैठक में इस मुद्दे को रखा था, लेकिन ब्रिक्स देशों के मंत्रियों में सहमति नहीं बन पाई, लिहाजा हमास का हमला घोषणापत्र से बाहर ही रहा। हम हमास के उस हमले को 'बड़ा आतंकवाद' मानते हैं। उसी के कारण आज भी गाजा और लेबनान में युद्ध के हालात बने हैं। तबाहियां और बर्बादियां हो रही हैं, लेकिन विश्व का कोई भी संगठन और समूह युद्ध-विराम कराने में अभी तक सफल नहीं हुआ है। बहरहाल जो ब्रिक्स आर्थिक विषयों तक सीमित रहता था, वह अब भू-राजनीति, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, विज्ञान-प्रौद्योगिकी सरीखे विषयों पर भी विमर्श करता है और अपने सरोकार व्यक्त करता है। पश्चिम का मानना है कि जलवायु परिवर्तन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विषय होना चाहिए, क्योंकि इससे अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और शांति पर असर पड़ सकता है, लेकिन भारत समेत अन्य विकासशील देशों का यह मानना है कि सुरक्षा परिषद की इसमें कोई भूमिका ही नहीं होनी चाहिए। ब्रिक्स की जो शुरुआती नीतियां थीं, आज तक उनमें कई बदलाव आ गए हैं। भारत अपने कारोबार, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक विस्तार के लिए पश्चिमी देशों से भी जुड़ा है। पश्चिमी देश भारत में व्यापक निवेश कर रहे हैं, लेकिन भारत ब्रिक्स की 'ग्लोबल साउथ' वाली नीतियों का रचनाकार भी है। बहरहाल ब्रिक्स ने उस दुनिया के देशों को मंच दिया है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपेक्षित रहे हैं। अब उस दुनिया का भी विकास संभव होगा।

रखनी होगी पाकिस्तान के नापाक इरादों पर नजर

हरि ॐ पंजवानी

इन आतंकी हमलों में पाकिस्तान सरकार की लिप्तता भले ही जाहिर तौर पर न हो, लेकिन इसमें कोई संशय नहीं है कि शह उसी की है और ये आतंकी उसी के पाले हुए हैं। दोस्ती करने के लिए यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि पाकिस्तान के कथित 'नॉन-स्टेट एक्टर' भी भारत के खिलाफ कोई षडयंत्र न रचें। जम्मू-कश्मीर में एक सप्ताह में आतंकी हमलों से जुड़ी चार घटनाएं होना सचमुच चिंताजनक है। एक के बाद एक लगातार हो रही ये घटनाएं दर्शाती हैं कि आतंकी संगठन और उनके आकाओं को कश्मीर में अमन-चैन बर्दाश्त नहीं हो रहा है। इसीलिए अपनी करतूतों को अंजाम देने से वे बाज नहीं आ रहे। उनकी कायराना हरकतें ऐसी कि श्रमिकों के शिविर पर भी हमला कर रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में आतंकियों ने सेना के वाहन को ही निशाना बनाया, जिसमें सेना के तीन जवान शहीद हो गए और दो पोर्टर मारे गए। घटनाओं के परिदृश्य में यह साफ है कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन लौटने से आतंकी बौखलाए हुए हैं। ताजा विधानसभा चुनावों में जनभागीदारी से उपजा माहौल, इलाके में लगातार बढ़ रहा पर्यटन और पर्यटक उन्हें फूटी आंख नहीं सुहा रहे। यही वजह है कि इस बार के हमले गुलमर्ग और बूटा पाथरी जैसे इलाकों में किए गए हैं। ये इलाके सामान्य तौर पर आतंक मुक्त समझे जाते हैं और वहां हर समय पर्यटकों की चहल-पहल बनी रहती है। जम्मू-कश्मीर में इन हमलों ने एक बार फिर पाकिस्तान के नापाक इरादों की ओर संकेत किया है, भले ही एक सप्ताह पूर्व वह हमारे विदेश मंत्री की राह में पलक-पांवड़े बिछाता दिखा हो और उसके मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाते नजर आए हों। उन्होंने ऐसे वक्तव्य भी दिए, जिनमें कहीं न कहीं यह स्वीकारोक्ति थी कि वे गलत राह पर थे। लेकिन विदेश मंत्री के लौटने के एक सप्ताह में जम्मू-कश्मीर की शांति भंग करने की कोशिशों से साबित हो गया है कि पाकिस्तान की कथनी और करनी में अंतर है और वह कभी नहीं सुधरने वाला। उसकी ऐसी ही प्रवृत्ति पहले भी कई बार सामने आ चुकी है। इन आतंकी हमलों में पाकिस्तान सरकार की लिप्तता भले ही जाहिर तौर पर न हो, लेकिन इसमें कोई संशय नहीं है कि शह उसी की है और ये आतंकी उसी के पाले हुए हैं। दोस्ती करने के लिए यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि पाकिस्तान के कथित 'नॉन-स्टेट एक्टर' भी भारत के खिलाफ कोई षडयंत्र न रचें। पाकिस्तान ने भारत के विदेश मंत्री जयशंकर की इस नसीहत का मान भी नहीं रखा कि आतंक और मित्रता एक साथ नहीं चल सकते। भारत के आगामी रणनीतिक कदमों में निश्चित तौर पर पाकिस्तान को इन आतंकी हमलों का जवाब मिलेगा। आतंक के इस पहलू में चीन पर भी नजर रखनी होगी। इस तरह के संकेत सामने आ चुके हैं कि कश्मीर के मुद्दे पर चीन, पाकिस्तान के साथ है। उसका आतंकियों को परोक्ष सहयोग और समर्थन है। देश को कूटनीतिक व राजनीतिक तौर पर पड़ोसी देशों के इस रवैये से भी निपटना होगा।

हल्दी से हेल्दी

ज्योति देहलीवाल

पुराने समय में जब शादी होती थी तब पूरे शरीर पर हल्दी लगाई जाती थी। आजकल तो सिर्फ़ शगुन के तौर पर ही लगाई जाती है। हल्दी लगाना भले ही औपचारिकता रह गयी हो, लेकिन असल में इसके कई धार्मिक, वैज्ञानिक कारण थे। हिन्दू धर्म के अनुसार शादी एक पवित्र बंधन है। जिसमें नए जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए देवी-देवताओं को आमंत्रित किया जाता है। इसमें भगवान विष्णु का विशेष स्थान होता है। इसलिए उनके आशीर्वाद के लिए उनका पसंदीदा पीला रंग और हल्दी का प्रयोग किया जाता है। पुराने जमाने में लोगों का मुख्य पेशा खेती होती थी। मेहनतकश लोगों के खेतों में काम करते वक्त कई बार शारीरिक विकार हो जाते थे, जैसे फोड़े फुंसियां आदि। इसलिए शादी से पहले उनके पूरे शरीर पर हल्दी लगाई जाती थी। हल्दी से टॉक्सिस तत्व बाहर आ जाते थे। शादी से पहले ही हल्दी क्यों? असल में दो शरीरों के मिलन से किसी को भी कोई स्किन इंफेक्शन न हो, इसलिए हल्दी लगाई जाती थी। हल्दी प्राचीन समय से औषधीय के रूप में इस्तेमाल होने वाला मसाला है। इसमें एंटी बैक्टीरियल, एंटी सेप्टीक और एंटी डिप्रेशन जैसे गुण होते हैं। हल्दी लगाने के बाद जब हम स्नान करते हैं तो हमारी स्किन भी डिटॉक्स होती है और डेड सेल्स निकल जाते हैं। इसलिए कई बार जन्मदिन या जनेऊसंस्कार के मौके पर भी बच्चों को हल्दी लगाने का रिवाज़ था। हल्दी लगाने से बॉडी रिलेक्स भी होती है। हल्दी अपनी ओर ऐसी सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है जो जीवन में समृद्धि बनाए रखने में मदद करती है। मन में ये सवाल भी आता है कि दूल्हा-दुल्हन को हल्दी लगने के बाद बाहर क्यों नहीं जाने देते? उन पर नकारात्मक ऊर्जा का असर न हो, इसलिए उन्हें अकेले बाहर जाने से मना किया जाता है। वैसे भी हल्दी लगने पर सूरज की तेज किरणों से स्किन काली पड़ सकती है। हल्दी के साथ तेल इसलिए लगाया जाता है ताकि शरीर में नरमी रहे। आज जो शरीर मे अकड़न है, जॉइंट पेन है उसका कारण क्या है? हम लोग तेल मालिश नहीं करते। हमारी स्किन ड्राई हो गई है। अगर हम अच्छी तरह समझकर अपने पुराने कुछ रीति-रिवाजों पर अमल करें तो उनसे फायदा ही होगा। हल्दी वाला दूध पीने की बात हो या फिर हल्दी लगाने की। ऐसे ही अनेक अन्य रिवाज भी हैं जिसके पीछे कई वैज्ञानिक कारण छिपे हैं जो हमारे तन-मन को स्वस्थ रखते हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने की खाद्य आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक

साहिबगंज: जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में खाद्य आपूर्ति के कार्यों की समीक्षा क्रमबद्ध रूप से गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।उपायुक्त के निर्देशानुसार सभी खाद्य ट्रांसपोर्ट में जीपीएस लगाने का निर्देश दिया गया था, जिसमें बताया गया की सभी वाहन में जीपीएस लगा दिया गया है। उपायुक्त ने जीपीएस के माध्यम से सभी वाहन का लाइव लोकेशन की जांच करने का आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने सभी प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देशित दिया गया कि वह खाद्य ट्रांसपोर्ट के चालकों का एवं वाहनों का फिटनेस की जाँच करेंगे एवं खाद्य गोदामों में आगत-निर्गत रोस्टर पंजी तैयार करेंगे। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा एवं सभी प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी उपस्थित थे।

बरहरवा चेकपोस्ट पर एक पिकअप से 77100 रुपए किए गए बरामद

साहिबगंज: विधानसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय साहिबगंज के निदेशानुसार इंटर-डिस्ट्रिक्ट/इंटरस्टेट चेक पोस्ट पर सघन जांच जारी है। इसी क्रम में बरहरवा थाना अंतर्गत फरीदपुर चेकनाका पर वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक पिकअप वैन से 77100/-रुपए बरामद किया गया। वाहन चालक एवं वाहन में मौजूद व्यक्ति के द्वारा उक्त कैश के संबंध में कोई भी बात कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया एवं अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

आगामी छठ पूजा को लेकर स्थलीय भ्रमण कर लिया गया जायजा

साहिबगंज: आगामी छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद साहिबगंज के प्रशासक अभिषेक कुमार सिंह ने नगर प्रबंधक बिरेश कुमार एवं कनीय अभियंता के साथ पवित्र गंगा घाट यथा - गोपाल पुल के पास,शीतला घाट,शकुंतला सहाय घाट,मुक्तेश्वर घाट,नमामि गंगे ,बिजली घाट आदि की साफ सफाई,चेंजिंग रूम,घाट के फर्श ,लाइट आदि का स्थलीय भ्रमण कर जायजा लिया एवं घाट को साफ सुथरा अविलंब करवाने का निर्देश दिया।इसके अतिरिक्त इन घाटों पर लोकहित में अन्य मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु कहा।नमामि गंगे घाट पर मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक संध्या गंगा आरती का प्रचार प्रसार करने एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों को आरती में भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु लोगों से अपील की।

पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस कर्मियों का प्रशिक्षण का आयोजन

साहिबगंज: विधानसभा चुनाव- 2024 के परिप्रेक्ष्य समाहरणालय स्थित सिद्धो कान्हू सभागार में पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण में आदर्श आचार संहिता, मतदान दिवस मतदाता कतार प्रबंधन, 100 मीटर और 200 मीटर का महत्व, पोल सामग्री जमा करना, डाक मतपत्र(फार्म 12) में आवेदन एवं मतदान प्रक्रिया का जानकारी दी गई।मौके पर प्रशिक्षक के रूप में प्रभात कुमार सिंह, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस कर्मी एवं अन्य उपस्थित थे।

साहिबगंज में स्वीप के तहत कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज: स्वीप कोषांग के तहत बरहरवा प्रखण्ड में विधानसभा चुनाव -2024 हेतु मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।बूथ नंबर -145,गाँव-बड़ा सोनाकर,पंचायत-बड़ा सोनाकर, प्रखंड-बरहरवा में ग्रामीणों को मतदाता जागरुकता शपथ दिलाया गया एवं रैली निकाली गयी तथा सभी को बताया गया कि आगामी चुनाव में 20 नवंबर को मतदान किया जाना है।

अधिक से अधिक प्रवासी मतदाता को भी अपना मत का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया। ग्रामीणों को उ-ड्रॅ' स्त्रस्र की जानकारी दी गयी।बंगाली एवं संथाली भाषाओं में स्थानीय समुदायों को जागरूक किया गया।फॉर्म-6 के माध्यम से योग्य नए मतदाताओं को पंजीकरण करवाते हुए मतदान के लिए जागरूक किया गया। 85+ आयु वर्ग एवं असमर्थ या दिव्यांग मतदाताओं को जागरूक किया गया।

अंचलाधिकारी के अल्टीमेटम के बाद एम्स के पास से अवैध अस्थाई दुकानें हटाई

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर अंचल के अंचलाधिकारी खोपलाल राम के द्वारा दो दिन का अल्टीमेटम देने के बाद एम्स स्थित अवैध अस्थाई दुकानें स्वयं दुकानदार ने हटा ली है। हालांकि अभी भी कई दुकानदार अपने गुंगटी, बक्सा टेबल कुर्सी वगैरह नहीं हटाया है। लेकिन दुकान बंद रखा है। इस संबंध में अंचलाधिकारी खोपलाल राम ने बताया कि पूर्व में भी अंचलाधिकारी के द्वारा अवैध दुकानों को हटाकर खाली करवाया गया था और इस बार भी खाली करवा दिया गया है। एम्स प्रबंधन को चाहिए कि वह अपना जमीन अपने कब्जे में करें। ताकि कोई अवैध दुकान नहीं लगा सके और अवैध दुकान नहीं लगाया जा सके।

धार्मिक क्षेत्र का विकास तीर्थ स्थल के रूप में हों न कि पर्यटन स्थल के रूप में : प्रो. डॉ. सुरेश भारद्वाज

धार्मिक स्थलों के लिए गठित न्यास बोर्ड में तीर्थ पुरोहितों की सहभागिता हो सुनिश्चित : प्रो. भारद्वाज

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

धार्मिक क्षेत्र का विकास तीर्थ स्थल के रूप में हों, न कि पर्यटन स्थल के रूप में। उक्त बातें अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. सुरेश भारद्वाज ने द्वारिकापुरी में आयोजित अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा। द्वितीय सत्र में महासभा को संबोधित करते हुए प्रो. डॉ. सुरेश भारद्वाज ने ऐलान किया कि सरकार द्वारा हमारे धार्मिक मंदिरों, तीर्थ स्थानो का कोरिडोर के नाम पर अतिक्रमण करने की घोषणा के कारण जो हमारे पुरोहितों को कष्ट और दुविधा का सामना करना पड़ रहा है, सरकार के द्वारा घोषित मंसूबे को अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा द्वारा कतई पूरी होने नहीं दिया जाएगा। डॉ. भारद्वाज ने अधिवेशन में पारित प्रस्ताव की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार द्वारा अगर धार्मिक बोर्ड बनाई जाती है या हमारे तीर्थ स्थान पर जो वृहद मेले का आयोजन होता है सरकार द्वारा उनकी व्यवस्था में हमारे स्थानीय तीर्थ प्रवृत्तियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाए।साथ ही तृतीय सत्र में

महासभा के द्वारा अनेकों प्रस्ताव पारित किए गए जिनमें से गंगा यमुना गोदावरी छपरा आदि पवित्र नदियों की प्रदूषण मुक्त करने के लिए सरकार से मांग की गई। हमारे धार्मिक तीर्थ स्थान एवं मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग भी उठाई गई। ज्ञात हो कि इस अधिवेशन में जम्मू कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और रामेश्वरम से लेकर पश्चिम बंगाल तक के 100 से अधिक तीर्थों से आए पुरोहित शामिल हुए। इस अधिवेशन में देश के शक्तिपीठों, पुरियों, 12 ज्योतिर्लिंगों और चारों धामों के 6 सौ से अधिक तीर्थ पुरोहित शामिल होने पहुंचे थे। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकृष्ण तिवारी की अध्यक्षता में यह अधिवेशन आयोजित किया गया है।

सभी मोहल्ले के लोगों को प्रेरित करते हुए रात्रि रक्त पट्ट संग्रह किया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

फालेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत एम एफ सर्वे हेतु निरंतर शुक्रवार को असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी देवघर तथा जिला भीबीडी पदाधिकारी देवघर के निदेशानुसार ठवल्ट देवघर के टीम द्वारा वार्ड नो 15 के अम्बेडकर नगर में जाकर मुहल्ले के लोगों को फाईलेरिया बीमारी संबंधी विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए रात्रि रक्त पट्ट संग्रह किया गया तथा सभी मोहल्ले के लोगो को प्रेरित करते हुए रक्त पट्ट संग्रह किया गया संक्रमण

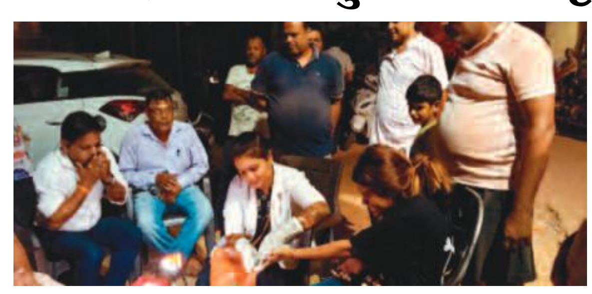

दर की वर्तमान स्थिति की पुष्टि हेतु फाईलेरिया पता लगाना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यह बीमारी लाईलाज है जागरूकता से ही इस बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सकता हैं यह बीमारी संक्रमित क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होता है इस लिया सोते समय मच्छरदानी उपयोग आवश्य करें क्यों कि इस बीमारी का पता रात्रि रक्त संग्रह से ही शुरूआती दौर में पता लगाया जा सकता है शुरूआती दौर में पता नहीं लगने से इस का परजीवी बहुत दिनों तक मनुष्य के शरीर मौजूद रहता है ठवल्ट टीम द्वारा20 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक वार्ड नंबर 09 के बसमत्ता में 310 एवं 23अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक वार्ड नंबर 15 के अम्बेडकर नगर में 306 व्यक्तियों का फाइलेरिया जांच हेतु रक्त पट्ट संग्रह किया गया। फईलेरिया परजीवी की जांच हेतु रात में रक्त पट्ट संग्रह करने का प्रावधान है क्योंकि मनुष्य जब आराम करता है तब ही एक्टिव मोड़ में मनुष्य के शरीर में रहते हैं। रात्रि रक्त संग्रह कार्य में ऐल टी नीलम सेठी,एम पी डब्लू राकेश कुमार झा फार्मासिस्ट बिरेंद्र कुमार सुमन,सुमन कुमार बी टी टी शंकर दयाल,कासीम अंसारी, सपोर्ट स्टॉफ अमरेंद्र कुमार, सेविका, सहायिका,सहिया

डॉ रविंद्र कुमार राय को भारतीय जनता पार्टी का झारखंड प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने से कार्यकताओं में खुशी

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, झारखंड सरकार में पूर्व खान एवं भू तत्व मंत्री, कोडरमा के पूर्व सांसद, भारत सरकार में हुडको के निदेशक (स्वतंत्र प्रभार)डॉ रविंद्र कुमार राय को भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर देवघर नगर के पूर्व अध्यक्ष सह तत्कालीन भाजपा के जिला मंत्री चंद्रशेखर खवाड़े ने खुशी का इजहार करते हुए केंद्रीय नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए कहा की भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश में पहली बार पूर्ण बहुमत की और 5 साल चलने वाले अर्थात पूरे कार्यकाल को पूर्ण करने वाली सरकार बनवाकर अपने प्रदेश अध्यक्ष के दायित्वों का पूर्ण निर्वहन किया था। झारखंड में विकास की गति को जितनी तेजी दिलवाने का काम उनके दिशा निर्देशों में किया गया था उस गति को पुनः

बरकरार रखने के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार झारखंड प्रदेश में बनाने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा द्वारा रविंद्र कुमार राय को प्रदेश अध्यक्ष बनाना झारखंड में सरकार बनाने की दिशा में एक सार्थक और मजबूत कदम है ।डॉक्टर रविंद्र राय के प्रदेश अध्यक्ष बनने से जहां कार्यकताओं में पुनः एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है, वहीं उनके राजनीतिक कौशल से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता और घोषित सभी प्रत्याशियों के लिए जीत का मार्ग प्रशस्त हो गया है । केंद्रीय नेतृत्व सहित प्रदेश नेतृत्व को भी बहुत-बहुत साधुवाद और धन्यवाद ।

डॉ अता रिजवी को मिला इंटरनेशनल अचीवर एवार्ड

हसपुरा से निशांत कुमार की रिपोर्ट

औरंगाबाद / जिले के हसपुरा प्रखंड के जाने - माने चिकित्सक डॉ. अताउल्लाह अहमद रिजवी को चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए इंटरनेशनल अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रिजवी को वियतनाम की राजधानी हनोई में दिया गया।डॉ.रिजवी विदेश में पढ़ाई पूरी कर ग्रामीण क्षेत्र में रोगियों का ईलाज करते है। ग्रामीणों को कम खर्च में सम्पूर्ण निदान तथा प्रभावित ऑर्गन को एक्टिवेट कर हमेशा के लिए ठीक

करने की पद्धति का उपयोग करते है। बिना साइड इफेक्ट के रोगों के निदान करने में चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ा योगदान किया है। इससे पहले भी डॉ. रिजवी को कई राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।ये लगभग चार वर्षों से हसपुरा में अपने घर रिजवी हाउस में चिकित्सा कर रहे है।जहाँ दूसरे जिले व प्रदेशों के लोग भी ईलाज के लिए आते है।इनके रोगियों में कई नेता,अभिनेता वरीय अधिकारी सहित नामी हस्तियां शामिल है।वियतनाम के राजधानी हनोई में झारखंड के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. यूएस वर्मा ने अपने हाथों से सम्मान दिया।जहाँ देश - विदेश के दर्जनों चिकित्सक उपस्थित थे।इस उपलब्धि पर प्रो अलखदेव प्रसाद अचल, अरविन्द कुमार, डॉ सत्यदेव सिंह, शम्भू शरण, विजय कर्ण, बीरेंद्र खत्री निशांत कुमार आदि ने बधाई देते हुए कहा कि यह इस क्षेत्र के लिए गौरव की बात है. इस क्षेत्र में इनके ईलाज से लोगों को काफी लाभ मिल रहा है।

किशोरियों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर परिचर्चा आयोजित

छात्राओं का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जरूरी

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

महिला क्लब दरभंगा ने शनिवार को सारा मोहनपुर स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में किशोरियों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर एक परिचर्चा का आयोजन किया और जिसमें शहर की कई नामी गरामी चिकित्सकों ने छात्राओं को युवावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तन के साथ-साथ स्वच्छता एवं पढ़ाई के प्रति एकाग्रचित होने के विभिन्न मंत्र बताएं। महिला क्लब की अध्यक्षा व दरभंगा की जानी मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पा झा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किशोरावस्था एक महत्वपूर्ण चरण है जहां आपके शरीर और दिमाग में भी कई परिवर्तन होते हैं ऐसी स्थिति में अपने शरीर को स्वस्थ और स्वच्छ रखने के लिए आपको नियमित व्यायाम के साथ-साथ संतुलित आहार और पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शारीरिक परिवर्तन से होने वाले जिज्ञासाओं को अपने परिवार के लोगों के साथ शेयर करें और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकों की सलाह भी जरूर लें। वरिष्ठ महिला चिकित्सक डॉ. नूतन राय ने कहा कि आज सर्वाइकल कैंसर का कहर बहुत तेजी से बढ़ रहा हैं इससे बचने के लिए किशोरावस्था से ही प्रयास किए जाएं यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव

के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) के खिलाफ वैक्सीनेशन कराएं। सर्वाइकल कैंसर के 70% मामलों के लिए एचपीवी जिम्मेदार होता है। वैक्सीनेशन कराने से इस वायरस से सुरक्षा मिलती है। नियमित पैप टेस्ट और जांच कराने से सर्वाइकल कैंसर के शुरूआती चरणों में ही पता लगाया जा सकता है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, संतुलित आहार लें, व्यायाम करें। वरिष्ट महिला चिकित्सक डॉक्टर आभा सिन्हा ने कहा कि छात्राओं के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी जरूरी है, क्योंकि मानसिक स्वास्थ्य हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मानसिक स्वास्थ्य हमारे विचारों, भावनाओं और व्यवहार को प्रभावित करता है और हमारे आत्मविश्वास, संबंधों और शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार करने में मदद करता है। उन्होंने इसके लिए कई सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि अपने आप को समय दें, अपनी पसंद की गतिविधियों में शामिल हों, और अपने शरीर की देखभाल करें। ध्यान और प्राणायाम आपको शांत और केंद्रित रहने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि शारीरिक स्वास्थ्य की देखभाल। अपने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देकर, आप अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मजबूत और आत्मविश्वासी बन सकते हैं। डॉ. अलका द्विवेदी ने कहा कि तनाव और चिंता को प्रबंधित करने के लिए समय-समय पर आराम करें ध्यान करें और अपने मन की बातें अपने मित्रों या परिवार के साथ बांटे तभी आपका मन एकाग्रचित होगा और आप अच्छे ढंग से पढ़ाई कर सकेंगे। महिला क्लब की सचिव राजकुमारी मारीवाला ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज छात्राओं के लिए पढ़ाई बहुत जरूरी है। श्रीमती मारीवाला ने छात्राओं से चिकित्सकों के परामर्श और ज्ञान की बातें एवं संदेशों पर अमल करने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए सदा मेहनत करने की अपील की। डी ए वी स्कूल की प्राचार्या स्नीगधा स्नेहा ने छात्राओं का आह्वान किया कि वे अपने जीवन में सीखने की प्रक्रिया को सदा जारी रखें और नए कौशलों को हमेशा आत्मसात करें। अपने माता-पिता और शिक्षकों की बातों को ध्यान से सुने और उनकी सलाह का पालन करें। उन्होंने कहा कि सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करें और कभी हार ना माने। परिचर्चा में डॉ. लता खेतान, रेखा पाहुजा, निधि झा एवं सपना कुमारी ने भी भाग लिया और छात्राओं के साथ बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना और उसका निदान भी बताया। परिचर्चा के दौरान स्कूल की कई छात्राओं ने भी अपने साथ होने वाले कई परेशानियों से चिकित्सकों को अवगत कराया और चिकित्सकों से उससे निपटने के लिए परामर्श मांगा।

नबीनगर पुलिस ने देसी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद/ जिले के नवीनगर थाना की पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने देसी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र के कुशा गांव निवासी बादल कुमार के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार पांडे ने बताया कि सूचना के आधार पर कुशा गांव में छापेमारी की गई जिसके फलस्वरुप एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस पर शराब के दो कांड दर्ज.हैं जिसमें पूर्व में भी जेल जा चुका है। इधर वह जमानत पर छुटकर वापस निकला था। उन्होंने बताया कि आसपास पूछ-ताछ के दौरान पता चला कि यह लोगों को हथियार का भय दिखाकर शराब का कारोबार करता था। संदर्भ में आवश्यक कार्रवाई के उपरांत आरोपी को जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई एसआई राजू कुमार एवं पुलिस बलों के द्वारा की गई।

जिला पदाधिकारी द्वारा जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र का औचक निरीक्षण किया गय

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री कांत शास्त्री द्वारा जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के क्रम में जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र पर साफ सफाई की वर्तमान स्थिति को लेकर असंतोष व्यक्त किया गया तथा उसमें सुधार के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्य स्थल पर अनुपस्थित पाए गए कर्मियों से स्पष्टीकरण की मांग हेतु जिला योजना पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र पर संचालित आधार केंद्र का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र के माध्यम से संचालित बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना , मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना तथा कुशल युवा कार्यक्रम में जिले के रैंकिंग को सुधारने के लिए भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

जन सुराज पार्टी द्वारा बालागोजी,पेटरपहड़ी आदि गांवों में जाकर किया गया जनसंपर्क अभियान

चकाई संवाददाता दिव्य दिनकर

चकाई:चकाई विधानसभा क्षेत्र का समग्र विकास हेतु चकाई जन सुराज पार्टी द्वारा चकाई में शनिवार को बालागोजी,पेटरपहड़ी आदि गांवों में जाकर जनसंपर्क अभियान चकाई के जन सुराज सारथी डॉ धर्मेंद्र सिन्हा के द्वारा किया गया तथा लोगों से आग्रह किया गया कि 27 अक्टूबर 24 को अम्माटांड़ के मैदान में सुबह 11 बजे आकर युवा संवाद कार्यक्रम में शामिल होकर पार्टी के वरीय पदाधिकारी का बात सुनकर आगामी 5 महीनों में 50 हजार जन सुराजी सारथी चकाई विधानसभा क्षेत्र में बनाकर जन समस्याओं का निदान करने हेतु सहभागिता सुनिश्चित करें ताकि चकाई विधानसभा क्षेत्र राज्य व देश में विकसित विधानसभा क्षेत्र बनाने में हम सभी सारथी बनें।

सरदार बल्भभाई पटेल विकाश समिति के द्वारा आयोजित(पटेल जी) की मूर्ति का अनावरण किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में बारुण प्रखंड के ग्राम पंचायत ₹मेहर₹ में सरदार बल्बभाई पटेल विकाश समिति के द्वारा आयोजित (भारत रत्न लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी) की मूर्ति का अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था,इस कार्यक्रम में ग्रामीण विकाश मंत्री श्री श्रवण कुमार, विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह नबीनगर विधायक के हाथों संपन्न हुआ, साथ में पूर्व विधायक श्री वीरेंद्र कुमार सिंह जी, छपरा जिला के अमनौर विधायक श्री कृष्ण कुमार उर्फ मंटू पटेल एवं सम्मानित कार्यकताओं और क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों, व प्रशासन की उपलब्धता में यह मूर्ति का अनावरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम समिति के सभी सदस्यों ने भारत रत्न लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के प्रति आभार जताया।

मोदी-स्कोल्ज की बातचीत में उठा भारतीय बच्ची अरिहा शाह का मुद्दा

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के साथ बातचीत में भारतीय बच्ची अरिहा शाह का मुद्दा भी उठाया। भारतीय पक्ष ने जर्मन पक्ष को इस बात से अवगत कराया कि एक भारतीय बच्चे का दूसरे धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषाई वातावरण बड़ा होना ठीक नहीं है विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भारत-जर्मनी और दोनों नेताओं के बीच हुए संवाद पर आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक जर्मन पालक की देखरेख में पल बढ़ रही अरिहा शाह का मामला विभिन्न स्तरों पर उठाया जा रहा है। यह मुद्दा आज बैठक के दौरान भी उठाया गया। चांसलर ने प्रधानमंत्री मोदी को आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे पर करीब से नजर रख रहे हैं। अरिहा के पिता वर्क वीजा पर जर्मनी में बतौर इंजीनियर काम करते थे। जर्मन प्रशासन ने अरिहा के माता-पिता पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उसे अपनी कस्टडी में ले लिया था। पूरे मामले पर अरिहा के माता-पिता का कहना है कि एक मामूली दुर्घटना में बच्ची को चोट लग गई थी। इसे आधार बनाते हुए जर्मन प्रशासन ने ऐसा किया है। बच्ची 23 सितंबर 2021 से जर्मनी के यूथ वेलफेयर ऑफिस के पास है। वह तब 7 महीने की थी। अब उसकी उम्र 3 साल से अधिक है और वह बर्लिन में एक फोस्टर केयर सेंटर में रह रही है।

बढ़ते प्रदूषण को लेकर डीजीएचएस ने लिखा सभी राज्यों को पत्र, जागरुकता पर दिया जोर

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत कई राज्यों में बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) अतुल गोयल ने लोगों को जागरूक करने और सांस की बीमारियों के उच्च जोखिम वाले मरीजों को सचेत रहने की सलाह दी है। डीजीएचएस ने खेल और व्यायाम जैसी बाहरी गतिविधियों को प्रतिबंधित करने की भी सलाह दी है। खासकर बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं एवं श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए बाहरी गतिविधियों से बचने की सलाह दी है। इस संबंध में डीजीएचएस ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कारगर कदम उठाने की सलाह दी है। डीजीएचएस ने अपने पत्र में राज्य के स्वास्थ्य विभागों को बिगड़ती वायु गुणवत्ता और इसके स्वास्थ्य जोखिमों, खासकर कमजोर समूहों के लिए सचेत किया है। उन्होंने वायु प्रदूषण के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए जनजागरुकता अभियान, निवारक उपायों और बेहतर स्वास्थ्य देखभाल तैयारियों की आवश्यकता पर जोर दिया। स्वास्थ्य निदेशालय ने अपनी सलाह में जन जागरुकता अभियान तेज करना, क्षेत्रीय भाषाओं में निर्दिष्ट जनसंचार माध्यमों के माध्यम से लक्षित संदेश प्रसारित करना, स्वास्थ्य सेवा कार्यबल की क्षमता को मजबूत करना और जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों के लिए प्रहरी निगरानी प्रणालियों में भागीदारी बढ़ाना शामिल है।

भाजपा के सदस्यों की संख्या हुई दस करोड़ के पार, नड्डा ने लोगों का जताया आभार

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दस करोड़ सदस्य बन गए हैं। यह जानकारी साझा करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बताया कि राष्ट्रीय सदस्यता अभियान- 2024' के अंतर्गत 10 करोड़ सदस्य बनाने की प्रक्रिया पूर्ण हुई है। उन्होंने सभी नवागत सदस्यों का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से 2 सितम्बर को आरंभ हुए इस अभियान में हर वर्ग के लोगों के जुड़ने की श्रृंखला जारी है। संगठन के हमारे कोटिशः कर्मठ कार्यकर्ताओं के अथक श्रम से प्राप्त यह ऐतिहासिक उपलब्धि गौरवान्वित करने वाली है। उन्होंने कहा कि मोदी के प्रति जन-जन के स्नेह और भाजपा पर अटूट विश्वास के लिए समस्त देशवासियों का हृदय से आभार।

भारत की विकास गाथा से जुड़ने का यह सही समय : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में 18वें एशिया प्रशांत जर्मन व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि निवेश के लिए भारत से बेहतर कोई स्थान नहीं है। उन्होंने विदेशी निवेशकों को आमंत्रित करते हुए कहा कि भारत की विकास गाथा से जुड़ने का यह सही समय है।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, मांग और डेटा के चार मजबूत स्तंभों पर खड़ा है। प्रतिभा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और बुनियादी ढांचा भारत के विकास के उपकरण हैं। इन सभी को आगे बढ़ाने के लिए भारत के पास आकांक्षी भारत (एआई) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दोहरी शक्ति है। उन्होंने कहा कि भारत भविष्य की दुनिया की जरूरतों पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत विविधीकरण और जोखिम-मुक्ति का सबसे बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। भारत वैश्विक व्यापार और विनिर्माण केंद्र बन रहा है। भारत सड़कों और बंदरगाहों में रिकॉर्ड निवेश कर रहा है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र दुनिया के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में विदेशी निवेशकों के लिए भारत की विकास गाथा में भाग लेने, 'मेक इन इंडिया' पहल और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' में शामिल होने का यह 'सही' समय है।

अगले पांच वर्षों में मेडिकल की 75 हजार सीटें बढ़ाई जाएंगी : जेपी नड्डा

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के 53वें स्थापना दिवस समारोह और दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 सालों में एमबीबीएस और एमडी की सीटों में 100 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इसके साथ आने वाले पांच सालों में सरकार एमबीबीएस की 75 हजार सीटें और बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि बुनियादी शिक्षा हर किसी का जन्मसिद्ध अधिकार है लेकिन व्यावसायिक शिक्षा एक विशेषाधिकार है जो समाज केवल कुछ ही लोगों को प्रदान करता है। सरकार प्रत्येक एमबीबीएस छात्र के लिए 30-35 लाख रुपये खर्च करती है। उन्होंने नए डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे अपने पेशेवर करियर को आगे बढ़ाते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। नड्डा ने स्वास्थ्य पेशेवरों को देश की स्वास्थ्य सेवा

प्रणाली को मजबूत करने और चिकित्सा सेवाएं सभी के लिए सुनिश्चित करने को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि आपके प्रयास 'विकसित भारत' के हमारे राष्ट्रीय दृष्टिकोण को आकार देने पर केंद्रित होने चाहिए। केंद्र सरकार ने 2017 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में बदलाव किया, जिसने स्वास्थ्य देखभाल को केवल उपचारात्मक दृष्टिकोण से पहले एक समग्र दृष्टिकोण में बदल दिया, जो निवारक, एकीकृत और साथ ही उपचारात्मक स्वास्थ्य देखभाल को पूरा करता है। नड्डा ने स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा समाज में किए गए महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला और स्नातकों से अपने काम को करुणा, अखंडता और समर्पण के साथ करने का आग्रह किया।

उन्होंने देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई कि चिकित्सा सेवाएं सभी के लिए सुलभ हों। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में 22 नए एम्स, नए मेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना की गई। समारोह के दौरान 146 एमबीबीएस छात्रों, 145 एमडी एवं एमएस छात्रों, 17 बीएससी (एमटी) रेडियोलॉजी छात्रों और 4 एमएससी (आरएंडएमआईटी) छात्रों को डिग्री प्रदान की गई और 62 पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी में 4 प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

एशिया में मानवीय चिकित्सा नवाचार व अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जुटे विशेषज्ञ

एजेंसी
नई दिल्ली। एशिया में मानवीय चिकित्सा नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए आरएमएल अस्पताल ने डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के साथ मिलकर इंडिया हैबिटेट सेंटर दिल्ली में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें करीब 200 स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और मरीजों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान आम व्यक्ति के जीवन में आने वाली स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के साथ टीबी रोग से उबर चुके रोगियों की कहानियों और समुदाय आधारित देखभाल मॉडलों पर चर्चा की गई। इस दौरान एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) पर भी विचार-विमर्श हुआ। जिसमें नए एंटीबायोटिक्स और निगरानी प्रणालियों की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके अलावा स्वास्थ्य असमानताओं, विशेष रूप से ट्रांसजेंडर समुदाय और दिव्यांग महिलाओं की चुनौतियों के समाधान तलाशने के प्रयास किए गए। कार्यक्रम में डॉक्टर विदाउट बॉर्डर दक्षिण एशिया की कार्यकारी निदेशक डॉ फरहत मंटो, आरएमएल अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ अजय शुक्ला, डॉ सुजाता मैथ्यू और डॉ पुलिन गुप्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर डॉ मंटो ने कहा, डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स एक अंतरराष्ट्रीय, स्वतंत्र चिकित्सा मानवीय संगठन है। 70 से अधिक देशों में यह संगठन संकट में फंसे लोगों की जान बचाने और उनके कष्टों को कम करने के लिए मानवीय चिकित्सा सहायता प्रदान करते हैं। ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एन्ड टेक्नोलॉजी इंस्टीयूट, फरीदाबाद की बायो डिजाइन फेलो डॉ जयंती कुमारी ने डॉक्टर विदाउट बॉर्डर और आरएमएल अस्पताल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बताया कि फिलहाल स्वास्थ्य विशेषज्ञ लोगों के मुख कैंसर की जांच उनके मुंह के अंदर की स्थिति को देखकर करते हैं जो 50 फीसदी सही नहीं होता। वहीं, बायोप्सी जांच का परिणाम तो सटीक होता है लेकिन जांच के लिए व्यक्ति के शरीर से मांस का टुकड़ा लिया जाना और जांच की दर महंगी होने के कारण लोग अक्सर जांच कराने से कतराते हैं।

नौसेना को मिला 'अभय' एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के बेड़े में एक और एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट को शामिल किया गया है। भारतीय नौसेना में यह समुद्री जहाज (शैलो वॉटर क्राफ्ट) 'अभय' शामिल किया गया। भारत का यह एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर जहाज लगभग 77 मीटर लंबा है।

इस शैलो वॉटर क्राफ्ट की अधिकतम गति 25 नॉट व इसकी सहनशक्ति 1800 एनएम है। रक्षा मंत्रालय ने इस संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि नौसेना के लिए यह सातवीं एंटी सबमरीन शैलो वॉटर क्राफ्ट है। भारतीय नौसेना के लिए इसका निर्माण मेसर्स जीआरएसई द्वारा किया गया है। अभय का मेसर्स एलएंडटी, कट्टुपल्ली में लोकार्पण किया गया। भारतीय नौसेना के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (पूर्व) वीएडीएम राजेश पेंढारकर ने की। समुद्री परंपरा को ध्यान में रखते हुए, पूर्वी क्षेत्र की एनडब्ल्यूडब्ल्यूए

अध्यक्ष संध्या पेंढारकर ने जहाज का लोकार्पण किया। रक्षा मंत्रालय और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई), कोलकाता के बीच अप्रैल 2019 में आठ एएसडब्लू एसडब्ल्यूसी जहाजों के निर्माण के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि अर्नाला श्रेणी के समुद्री जहाज भारतीय नौसेना की सेवा में तैनात अभय श्रेणी के एएसडब्ल्यू कॉर्वेट की जगह लेंगे। इन्हें तटीय जल में पनडुब्बी रोधी अभियान, कम तीव्रता वाले समुद्री अभियान (एलआईएमओ) और माइन लेइंग ऑपरेशन के लिए तैयार किया गया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक नौसेना के इस अत्याधुनिक समुद्री जहाज 'अभय' का लोकार्पण आत्मनिर्भर भारत के प्रति राष्ट्र के संकल्प को दर्शाता है। गौरतलब है कि इस वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट के निर्माण में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बड़े पैमाने पर रक्षा उत्पादन भारतीय विनिर्माण इकाइयों द्वारा किया जाता है, जिससे देश की रोजगार और क्षमता में वृद्धि होती है।

कांग्रेस पार्टी आरक्षण के खिलाफ, नाना पटोले का बयान तथ्यहीन : रामदास आठवले

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने नाना पटोले के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया जाहिर की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी को आरक्षण विरोधी करार दिया। दरअसल आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के बयान के बाद सियासी सरगर्मी तेज हो गई है और उनके बयान पर सियासी दिग्गजों की प्रतिक्रियाएं खूब आ रही हैं।

रामदास आठवले ने कहा कि नाना पटोले ने जो स्टेटमेंट दिया है, वह राहुल गांधी के उस बयान का समर्थन करता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि दलित, ओबीसी और आदिवासी वर्ग का एक दिन आरक्षण खत्म किया जाएगा। यह स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण के खिलाफ है। राहुल गांधी द्वारा दिए गए इस विवादास्पद बयान का नाना पटोले ने भी समर्थन किया है। मैं सभी से अपील करता हूं कि इस प्रकार की बातें करने वाली कांग्रेस पार्टी को पहचानें।

उन्होंने कहा कि आरक्षण खत्म करने वाली पार्टी को हम समाप्त करेंगे। लेकिन, आरक्षण को खत्म नहीं होने देंगे। अठावले ने जाति व्यवस्था को खत्म करने के प्रयासों की भी चर्चा की और कहा कि जाति व्यवस्था को खत्म करना एक बड़ी चुनौती है। लेकिन, यह संभव है। नाना पटोले के बयान को निराधार बताते हुए उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि नाना पटोले का आरक्षण खत्म करने का यह बयान तथ्यहीन है और वह गलतफहमी में बकवास कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नाना पटोले के बयान का मैं विरोध करता हूं, समाज के सभी वर्गों को यह समझना होगा कि आरक्षण हमारे अधिकारों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार ऐसे किसी भी कदम का समर्थन नहीं करेगी जो समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों को समाप्त करने की कोशिश करता हो।

इससे पहले, भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी कांग्रेस की मंशा को दलित विरोधी बताया था। प्रदीप भंडारी ने कहा था कि कांग्रेस का असल उद्देश्य गरीबों का आरक्षण खत्म करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले भी कहा था कि कांग्रेस दलितों का आरक्षण छीनकर अपने फेवरेट वोट बैंक को देना चाहती है। मैं कांग्रेस को स्पष्ट तौर पर कहना चाहता हूं कि जब तक भाजपा है, जब तक नरेंद्र मोदी हैं, आप दलितों का हक नहीं छीन सकते। कांग्रेस पार्टी की मंशा को समझते हुए भाजपा दलितों के अधिकारों की रक्षा करेगी और महाराष्ट्र में कांग्रेस की सरकार बनने नहीं देगी।

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सहयोग का आधार है अनुसंधान : शिक्षा मंत्री

एजेंसी
नई दिल्ली। शिक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर हैं। उनकी इस यात्रा से देश में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय के कैंपस खुलने में तेजी आ सकेगी। इसके अलावा प्रधान ने ऑस्ट्रेलिया में अधिकारियों एवं मंत्रियों से मुलाकात के दौरान रिसर्च के क्षेत्र में सहयोग पर खासा जोर दिया है।

बड़ी संख्या में भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलिया के विभिन्न विश्वविद्यालय में रोबोटिक्स, रसायन, खगोल भौतिकी, अतिचालकता, विनिर्माण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा-तकनीक, जलवायु परिवर्तन, जल प्रबंधन और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान पर काम कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया में इन भारतीय छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अनुसंधान सहयोग ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सहयोग का आधार है। प्रधान ने कहा कि व्यावहारिक बातचीत ने छात्रों को विचार करने के लिए कई महत्वपूर्ण

बिंदु प्रदान किए हैं। दोनों देशों के बीच व्यापक एवं गहन अनुसंधान सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले सभी भारतीय छात्रों की सराहना की और उन्हें दोनों देशों के भविष्य के लिए उत्साहजनक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित मैक्वेरी विश्वविद्यालय में मैक्वेरी पार्क इनोवेशन डिस्ट्रिक्ट का दौरा किया। यहां उन्होंने समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए उद्योग जगत के विशेषज्ञों एवं समुदायों के साथ सहयोग करने के लिए विश्वविद्यालय के अनूठे दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय भारतीय शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योगों के साथ साझेदारी कर रहा है। उन्होंने बल देकर कहा कि इस प्रकार के मजबूत उद्योग-अकादमिक संबंध नवाचार करने और छात्रों को सफलता के लिए तैयार करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। प्रधान ने न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय (यूएनएसडब्ल्यू) के परिसर का दौरा किया। उन्होंने यूएनएसडब्ल्यू के 75 वर्ष पूरे होने पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारतीय छात्र यूएनएसडब्ल्यू की स्थापना के तीसरे वर्ष से ही इसके साथ जुड़े हुए हैं। प्रधान ने यूएनएसडब्ल्यू के विभिन्न स्कूलों द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप के साथ भी बातचीत की। उन्होंने छात्रों के उत्पादों एवं सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्टार्टअप को भारतीय समाज एवं बाजार के लिए अपने समाधान तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। केंद्रीय मंत्री ने यूटीएस मूर पार्क का भी दौरा किया, जो सिडनी के प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में स्थित एक खेल परिसर है। उन्होंने कहा कि यह ऑस्ट्रेलिया में अपनी तरह का पहला केंद्र है जहां विश्वविद्यालय कार्यक्रमों को विशिष्ट खेल सुविधाओं में एकीकृत किया गया है।

प्रो मज़हर आसिफ़ ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति का कार्यभार संभाला

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रोफेसर मज़हर आसिफ़ ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के 16वें कुलपति के तौर पर कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के बाद आसिफ़ ने कहा कि विश्वविद्यालय को सर्वोच्च स्थान पर ले जाना ही उनका एकमात्र लक्ष्य है। कुलपति कार्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। ज्वाइनिंग के तुरंत बाद वह यूनिवर्सिटी कैंपस में स्थित ब्रिगेडियर उस्मान की समाधि पर गए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। ब्रिगेडियर उस्मान को नौशेरा का शेर के नाम से भी जाना जाता है। वह भारतीय सेना में एक उच्च पदस्थ अधिकारी थे। उन्होंने 1947-48 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में वीरगति पायी थी। प्रोफेसर मजहर आसिफ ने देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और जेएमआई के संस्थापक सदस्य डॉ. एम.ए. अंसारी को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित उनकी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। कुलपति ने कुलपति कार्यालय के बैठक हॉल में डीन, कार्यवाहक रजिस्ट्रार और विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने पूरे प्रशानिक ब्लॉक का दौरा किया और विभिन्न कार्यालयों में जाकर गैर- शिक्षण कर्मचारियों से भी मुलाक़ात की।

इस दौरान कुलपति प्रोफेसर मज़हर आसिफ़ ने कहा कि विश्वविद्यालय को सर्वोच्च स्थान पर ले जाना ही उनका एकमात्र लक्ष्य है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह छात्र और कर्मचारी केंद्रित व्यक्ति हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अच्छा रहन-सहन, भोजन, सुरक्षा उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है।

अरविंद केजरीवाल पर हमले की कोशिश, आम आदमी पार्टी का भाजपा पर आरोप

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर पदयात्रा के दौरान विकासपुरी में हमले की कोशिश की गई, जिस पर पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और मंत्री सौरभ भारद्वाज की प्रतिक्रिया सामने आई है।

पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, अरविंद केजरीवाल जी पर हुआ हमला बेहद निंदनीय और चिंताजनक है। यह साफ है कि भाजपा ने अपने गुंडों से यह हमला कराया है। अगर अरविंद केजरीवाल जी को कुछ होता है, तो उसकी पूरी ज़िम्मेदारी भाजपा पर होगी। हम डरने वाले नहीं हैं-आम आदमी पार्टी अपने मिशन पर डटी रहेगी। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने वीडियो संदेश जारी कर कहा, आज अरविंद केजरीवाल विकासपुरी में पदयात्रा कर रहे थे और लोगों से मिल रहे थे। पिछले कुछ दिनों से जब-जब अरविंद जी लोगों के बीच जा रहे हैं, उन्हें अपार प्यार और समर्थन मिल रहा है। कल वह हमारे साथ खुद ही कनॉट प्लेस के एक आइसक्रीम की दुकान पर गए, उसके बाद एक पान की दुकान

पर गए। थोड़ी ही देर में काफी सारे लोग उनके साथ सेल्फी लेने और बातचीत करने के लिए आए। मुझे लगता है कि भारतीय जनता पार्टी इसे पचा नहीं पा रही है और आज भाजपा से जुड़े लोगों ने अरविंद केजरीवाल पर हमला करने की कोशिश की है। इससे पहले भी अरविंद केजरीवाल के ऊपर कई बार हमले हुए हैं, जब वह तिहाड़ जेल में थे, तब उनकी इंसुलिन को बंद कर दिया गया था। यह कोशिश की गई कि उनकी किडनी खराब हो जाए या उनकी मृत्यु हो जाए। अब इस तरह का हमला बहुत ही कायराना है और यह सिर्फ इसलिए है क्योंकि अरविंद जी जब जनता के बीच जाते हैं, तब उन्हें प्यार मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि हम यह साफ करना चाहते हैं कि अगर अरविंद केजरीवाल की जान को कोई खतरा होता है या उन्हें कोई नुकसान पहुंचता है, तो इसकी जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ भारतीय जनता पार्टी होगी।

सीडीएससीओ की जांच में 49 दवाओं के सैंपल फेल, बाजार से वापस लेने के दिए निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली । गैस, एलर्जी, सर्दी जुखाम, उल्टी, कैल्शियम, विटामिन-12 के साथ कुल 49 दवाओं के सैंपल मानकों में फेल पाए गए हैं। केन्द्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने इसको लेकर अलर्ट जारी किया है। ड्रग्?स कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया राजीव सिंह रघुवंशी ने मीडिया को बताया कि हर महीने 3000 दवाइयों के सैंपल्स की जांच की जाती है। इसमें जो भी मानकों की जांच में फेल पाए जाते हैं, उनकी वेबसाइट पर रिपोर्ट जारी की जाती है। इसी क्रम में इस महीने करीब 49 दवाओं के सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं जिसकी सूची वेबसाइट पर डाल दी गई है। इन सभी दवाओं को बाजार से वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। इन दवाओं की सूची में डायबिटीज की दवा, दर्द निवारक, आई ड्रॉप्स और बुखार, उल्टी के सिरप शामिल हैं। राजीव सिंह रघुवंशी ने बताया कि सीडीएससीओ द्वारा की गई दवाओं की जांच और निगरानी से कम प्रभावकारिता वाली दवाओं के प्रतिशत में भारी कमी आती है। परीक्षण किए गए लगभग 3000 नमूनों में से 49 दवाओं को वापस लेने के लिए कहा गया क्योंकि उन्हें कम प्रभावकारी

(एनएसक्यू) पाया गया। कुल सैंपल में लगभग 1.5 प्रतिशत ही कम प्रभावोत्पादक पाई गई। सीडीएसओ ने अक्टूबर 2024 में 67 दवाओं की जांच कराई थी। इनमें से 53 केंद्रीय लेबोरेटरी में जांच कराई गई और 18 राज्यों की लेबोरेटरी में जांच हुई। पता चला कर्ि 49 नामी गिरामी कंपनियों की दवाइयां सब स्टैंडर्ड की हैं, जबकि 4 दवाइयां नकली हैं। नकली पाई गई दवाओं में टैमसुलोसिन और डूटास्टेरॉयड, कैल्शियम, विटामिन डी 3 टैबलेट(शेलकैल), पेंटाप्रेजोल एंड डोमिपेरीडोन और नंड्रोलोन डीकानोट इंजेक्शन शामिल हैं।

दिल्ली की कुम्हार कॉलोनी में पहुंचे राहुल गांधी, हाथों से बनाए दीये; सड़क किनारे बनवाई दाढ़ी

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर स्थित प्रजापति कॉलोनी पहुंचे। यहां उन्होंने सैलून मालिक अजीत ठाकुर से लेकर कुम्हार परिवार की रामरति तथा अन्य लोगों से मुलाकात की। उन्होंने अजीत ठाकुर के सैलून पर दाढ़ी बनवाई और रामरति के घर जाकर उनसे बर्तन बनाना सीखा। कांग्रेस सांसद ने अपने हाथों से दीये भी बनाए।

अजीत ठाकुर ने कहा, राहुल गांधी किसी कार्यक्रम से गुजर रहे थे, मैं बाहर खड़ा था। अचानक उनकी गाड़ी रुकी, और राहुल गांधी ने मेरी ओर ध्यान दिया। इसके बाद मैं घबरा गया, क्योंकि मेरे सामने एक बड़े नेता खड़े थे। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने मुझसे हाथ मिलाते हुए पूछा, आप क्या काम करते हैं? तो मैंने संकोच में कहा, सर, मैं कुछ खास नहीं करता। तब राहुल गांधी ने कहा, क्या मेरी दाढ़ी की सेटिंग करोगे? इसने मुझे थोड़ा सहज कर दिया और मैंने जवाब दिया, जरूर करेंगे।अजीत ने कहा कि राहुल गांधी के साथ बिताए गए 20 मिनट ने उन्हें काफी प्रभावित किया।राहुल गांधी ने अजीत से उनके काम रोजगार और जिंदगी के बारे में कई सवाल पूछे। उन्होंने जानना चाहा कि अजीत की कमाई क्या है, दुकान का किराया कितना है, और वह किस

तरह से अपनी जिंदगी बिता रहे हैं। अजीत ने बताया कि उनका व्यवसाय 1993 से चल रहा है, और कोई भी नेता उनके पास इस तरह से नहीं रुका था। राहुल गांधी ने उनकी स्थिति को समझते हुए उन्हें आश्वासन दिया कि वह मदद कर सकते हैं। अजीत ने खुलकर अपनी कठिनाइयों का जिक्र किया। राहुल गांधी ने उनके प्रति सहानुभूति जताई और कहा कि वह उनकी मदद करने का प्रयास करेंगे। अजीत ने कहा कि इस छोटी-सी मुलाकात ने मुझे आशा दी। मैंने महसूस कराया कि एक नेता केवल राजनीतिक आकांक्षाओं से नहीं भरा होता, बल्कि वह सामान्य लोगों के साथ जुड़ने और उनकी समस्याओं को समझने में भी रुचि रखता है। रामरति ने कहा, मैं कुम्हार कॉलोनी में रहती हूं। मेरे घर की घंटी बजी, और मैंने दरवाजा खोला, तो सामने राहुल जी खड़े थे।

दीपावली-छठ पर 26 अक्टूबर से 7 नवंबर तक प्रतिदिन दिल्ली से चलेंगी 65 स्पेशल ट्रेन

एजेंसी
नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने दीपावली और छठ के मद्देनजर 26 अक्टूबर से 7 नवंबर तक के लिए स्पेशल ट्रेनों के 195 फेरे लगाने की योजना बनाई है। इन 13 दिनों में प्रतिदिन दिल्ली एरिया से 65 स्पेशल ट्रेनों का संचालन होगा। इससे लगभग एक लाख 20 हजार यात्रियों को अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होंगी। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने नई दिल्ली में उत्तर रेलवे मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दीपावली और छठ पूजा के लिए किये गए विशेष इंतजाम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 01 अक्टूबर से 30 नवंबर तक स्पेशल ट्रेनों के अब तक 3144 फेरे घोषित किये जा चुके हैं। लगभग 85 प्रतिशत त्योहार स्पेशल ट्रेन पूर्व दिशा में उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम जाने वाले यात्रियों के लिए चलाई जा रही हैं। दीपावली और छठ पूजा के दौरान सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए 26 अक्टूबर से 7 नवंबर तक विशेष ट्रेनों के 195 फेरे लगाने की योजना बनाई गई है जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 138 फेरे चलाये गए थे। इन 13 दिनों में उत्तर रेलवे प्रत्येक दिन दिल्ली एरिया से 65 ट्रेनों का संचालन करेगा जबकि पिछले वर्ष इन 13 दिनों में 59 ट्रेनों का संचालन हुआ था। इन 13 दिनों में लगभग 1 लाख 20 हजार यात्रियों को अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध हो पाएंगी। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने कहा कि त्योहारों के दौरान स्पेशल ट्रेनों के अलावा नियमित ट्रेनों के 123 अतिरिक्त फेरे भी लगेंगे। दिल्ली जंक्शन, नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल से देशभर के प्रमुख गंतव्यों को पटना, दानापुर, मुजफ्फरपुर, जोगबनी, सहरसा, जयनगर, कटिहार, दरभंगा, गोरखपुर, रक्सौल, वाराणसी, गया, श्रीवैष्णो देवी कटरा से जोड़ने के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। 26 अक्टूबर से 7 नवंबर तक प्रमुख ट्रेनों में कुल 49 अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। इस अवधि के दौरान विशेष ट्रेनों और अतिरिक्त कोचों सहित कुल 1,70,434 अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होंगी, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 1,48,750 अतिरिक्त बर्थ की व्यवस्था की गयी थी। इन स्पेशल ट्रेनों से लगभग 54,000 अनारक्षित यात्रियों की अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 41,000 था।

देश में 597 कंपनियों के मालिकों ने घटाई अपनी हिस्सेदारी, निवेशकों का बढ़ा तनाव

नई दिल्ली। अक्टूबर में शेयर बाजार में आई जोरदार गिरावट से निवेशक पहले से ही परेशान हैं। इस बीच आज आई एक खबर ने उनके तनाव में और बढ़ोतरी कर दी है। इस खबर के मुताबिक देश में कम से कम 597 कंपनियों के मालिकों या प्रमोटर्स ने सितंबर में खत्म हुई तिमाही के दौरान कंपनी में अपनी शेयर होल्डिंग कम कर दी है यानी कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटा दी है। वहीं करीब 200 कंपनियों के मालिकों या प्रमोटर्स ने अपनी हिस्सेदारी में इजाफा भी किया है?।

स्टॉक मार्केट में लिस्टेड कंपनियों में से लगभग 3,300 कंपनियों ने सितंबर में खत्म हुई तिमाही के बाद अपनी शेयर होल्डिंग से जुड़े आंकड़े जारी कर दिए हैं। इनमें से 597 कंपनियों के प्रमोटर्स ने अपनी हिस्सेदारी घटाई है, जबकि लगभग 200 कंपनियों के प्रमोटर्स के हिस्सेदारी में इजाफा हुआ है, वहीं लगभग 2,500 कंपनियों के मालिकों या प्रमोटर्स के शेयर होल्डिंग

डेटा में कोई बदलाव नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जब सभी लिस्टेड कंपनियों का शेयर होल्डिंग डेटा जारी हो जाएगा तो निवेशकों की हिस्सेदारी कम करने वाली कंपनियों की संख्या में और भी बढ़ोतरी हो सकती है।

शेयर होल्डिंग डेटा के मुताबिक जिन कुछ बड़ी कंपनियों में प्रमोटर्स ने अपने हिस्सेदारी घटाई है, उनमें अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, टाटा मोटर्स, स्पाइसजेट, प्रेस्टीज एस्टेट प्रोजेक्ट्स और इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के नाम शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर कंपनियों की ओर से पुराने कर्जों को निपटाने और काम का विस्तार करने के लिए प्रमोटर्स की शेयर होल्डिंग में कमी करने के ऐलान पहले ही कर दिया गया था। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि प्रमोटर्स द्वारा अपनी हिस्सेदारी में कमी करने की बात को लेकर अधिक चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि अभी प्रमोटर्स द्वारा हिस्सेदारी में कमी करने की एक बड़ी वजह शेयरों का ऊंचा वैल्यूएशन है। कई कंपनियों के प्रमोटर्स ऊंचे वैल्यूएशन का फायदा उठाते हुए अपनी हिस्सेदारी में कुछ कमी करके पुराने कर्जों का निपटारा कर देते हैं। वहीं कुछ प्रमोटर्स अपनी लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए भी ऊंचे वैल्यूएशन के दौरान अपने हिस्सेदारी कम करने का तरीका अपनाते हैं। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि प्रमोटर्स पर अपनी कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी को बेचने पर रोक लगाने का कोई नियम नहीं है। ऐसी स्थिति में प्रमोटर्स कई वजहों से अपनी हिस्सेदारी कम कर सकते हैं?।

दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार सृजन : निर्मला सीतारमण

वाशिंगटन/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोजगार सृजन को दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने विश्व बैंक से नौकरियां पैदा करने वाले उच्च प्राथमिकता के कौशल क्षेत्रों की पहचान करने की दिशा में देशों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।वित्‍त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुरुवार को विश्व बैंक की एक बैठक में कहा कि रोजगार सृजन दुनियाभर में सबसे अहम मुद्दा है, खासकर लगातार आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति को देखते हुए जो श्रम बाजार को नया आकार दे रही है। सीतारमण ने 'विश्व बैंक को अपनी भविष्य की रणनीतिक दिशा कैसे तय करनी चाहिए तथा ग्राहकों को उभरते मेगाट्रेंड के साथ तालमेल रखने के लिए ज्यादा नौकरियों के सृजन में कैसे मदद करनी चाहिए' विषय पर एक चर्चा में यह बात कही। सीतारमण ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि निरंतर आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों को देखते हुए नौकरियां सबसे बड़ी वैश्विक समस्या बनी हैं, जो युवाओं के लिए नौकरी बाजार में प्रवेश करने के वास्ते आवश्यक कौशल को पुनर्परिभाषित कर रही हैं।

आईडीबीआई बैंक का मुनाफा 39 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। आईडीबीआई बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 1836 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 1323 करोड़ रुपये की तुलना में 39 प्रतिशत अधिक है।बैंक ने आज यहां जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि दूसरी तिमाही शुद्ध ब्याज आय 26 प्रतिशत बढ़कर 3,875 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 3,066 करोड़ रुपये थी। साथ ही बैंक ने यह भी कहा कि शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) दूसरी तिमाही-2025 में 54 आधार अंक बढ़कर 4.87 प्रतिशत हो गया, जबकि दूसरी तिमाही2024 में यह 4.33 प्रतिशत था। बैंक ने गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों में सुधार होने की बात करते हुये कहा कि सकल एनपीए अनुपात 30 सितंबर, 2023 को 4.90 प्रतिशत के मुकाबले 30 सितंबर, 2024 को 3.68 प्रतिशत पर आ गया और शुद्ध एनपीए अनुपात 30 सितंबर, 2023 को 0.39 प्रतिशत के मुकाबले 30 सितंबर, 2024 को 0.20 प्रतिशत पर आ गया।

बीपीसीएल का सकल मुनाफा 72.14प्रतिशत घटा

मुंबई । तेल विपणन करने वाली सरकारी कंपनी भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल शुद्ध लाभ 72.14प्रतिशत घटकर 2297 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 8244 करोड़ रुपये रहा था। बीपीसीएल ने आज यहां जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि जुलाई सितंबर 2024 की तिमाही में उसका परिचालन राजस्व 117949 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 116657 करोड़ रुपये की तुलना में 1.11 प्रतिशत अधिक है।

सीतारमण ने की ब्रिटेन की राजस्व मंत्री से भेंट की

वाशिंगटन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठक के इतर ब्रिटेन की वित्त मंत्री रसेल रीवस से मुलाकात कर द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।इस अवसर पर श्रीमती सीतारमण ने सुश्री रीवस को अपने सबसे पहले बजट प्रस्तुत के लिए शुभकामनाएं भी दीं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि भारत अगले वर्ष की पहली छमाही में लंदन में होने वाली अगली आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता की प्रतीक्षा कर रहा है।

भारत मना रहा है जश्न रिलायंस डिजिटल के इलेक्ट्रॉनिक्स फेस्टिवल के साथ

नई दिल्ली। इस दीपावली, रिलायंस डिजिटल की 'फेस्टिवल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स' सेल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स पर ब्लॉकबस्टर डील्स के साथ इंडिया के फेस्टिव जश्न को और भी खास बनाने के लिए तैयार है। ग्राहक 3 नवंबर, 2024 तक लीडिंग बैंक कार्ड्स से की गई खरीदारी पर ?15000 तक इंस्टेंट डिस्काउंट का फायदा उठा सकते हैं. यह ऑफर देश भर में रिलायंस डिजिटल/माय जियो स्टोर और ऑनलाइन http://www.reliancedigital.in पर लागू है. इसके अलावा, इन-स्टोर शॉपर्स ?22500 तक के लाभ के साथ कई फाइनान्स विकल्पों का फायदा भी उठा सकते हैं, जिससे नई आई टेक्नोलॉजी में अपग्रेड करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। सैमसंग नियो QLED TV में अपग्रेड करें और ?41990/- कीमत वाला 43 इंच का स्मार्ट टीवी 3 साल की वारंटी और ?1990 से शुरू होने वाली EMI के साथ फ्री पाइए. ?46900 कीमत वाली Apple वॉच सीरीज 10 अब 44900 में उपलब्ध है. पाइए AirPods 4, 11900 से शुरू और JBL Live Beam 3 जिसकी कीमत ?24999 है मात्र 12599 में. इंस्टेंट डिस्काउंट और एक्सचेंज बोनस का फायदा उठाइए, ?45900 में iPhone 14 में अपग्रेड हो जाइए।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब मिलेगा 20 लाख रुपये तक का लोन

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत लोन की मौजूदा सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया है। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में मुद्रा लोन की सीमा को दोगुना करने का ऐलान किया था।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक अधिसूचना में कहा कि पीएमएमवाई के तहत ऋण की मौजूदा सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये की गई है। जैसा कि वित्त मंत्री ने 23 जुलाई 2024 को केंद्रीय बजट में घोषणा की थी, उसी के अनुरूप यह बढ़ोतरी की गयी है। पीएमएमवाई में यह वृद्धि मुद्रा योजना के समग्र उद्देश्य को आगे बढ़ाने की आकांक्षा रखती है। यह वृद्धि विशेष रूप से उभरते उद्यमियों के लिए फायदेमंद है, जिससे उनके विकास और विस्तार में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने बताया कि ये कदम एक मजबूत उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

अधिसूचना के अनुसार तरुण प्लस की नई श्रेणी 10 लाख रुपये से अधिक और 20 लाख रुपये तक के ऋणों के लिए है। यह उन उद्यमियों के लिए उपलब्ध होगी, जिन्होंने तरुण श्रेणी के तहत पिछले ऋणों का लाभ उठाया है और उन्हें सफलतापूर्वक चुकाया है। माइक्रो यूनिट्स के लिए क्रेडिट गारंटी फंड के तहत 20 लाख रुपये तक के पीएमएमवाई ऋणों की गारंटी कवरेज प्रदान की जाएगी। पीएमएमवाई की शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई। इसका उद्देश्य गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म उद्यमियों को आय-उत्पादक गतिविधियों के लिए 10 लाख रुपये तक का आसान संपार्श्विक-मुक्त माइक्रोक्रेडिट उपलब्ध कराना है।

सीतारमण ने फ्रांस के वित्त एवं उद्योग मंत्री एंटोनी आर्मंड से की मुलाकात

एजेंसी
वाशिंगटन/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने वाशिंगटन डीसी में विश्व बैंक की सालाना बैठकों 2024 के दौरान फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त एवं उद्योग मंत्री एंटोनी आर्मंड से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में लिखा है कि निर्मला सीतारमण ने एंटोनी आर्मंड को फ्रांस के वित्त मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने पर उन्हें बधाई दी। केंद्रीय वित्त ने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत फ्रांस को एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार मानता है। उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने का आह्वान किया। इस मुलाकात के दौरान दोनों मंत्रियों ने निवेश प्रोत्साहन, भुगतान प्रणालियों के एकीकरण, अंतर्राष्ट्रीय कराधान सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा निर्मला सीतारमण ने कई अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की सालाना बैठकों में भाग लेने के लिए अभी अमेरिका की राजधानी में मौजूद हैं।और संवेदनशीलता पर ध्यान केंद्रित कर शासन के प्रति अधिक उत्तरदायी और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण को प्रोत्साहन देना

है, जिसके परिणामस्वरूप सेवा वितरण और लोकसंपर्क में सुधार होगा। यह प्रयास निरंतर व्यावसायिक विकास और कर्मयोगी पहल के व्यापक लक्ष्यों के साथ सरेखित नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सीबीआईसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.163 अरब डॉलर घटकर 688.267 अरब डॉलर पर

एजेंसी
मुंबई/नई दिल्ली। देश का विदेश मुद्रा भंडार 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 2.163 अरब डॉलर घटकर 688.267 अरब डॉलर रह गया है। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने जारी आंकड़ों में बताया कि 18 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.163 अरब डॉलर घटकर 688.267 अरब रह गया है। हाल के दिनों में विदेशी मुद्रा भंडार में यह सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा था। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रह गया था। आंकड़ों के मुताबिक 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का

अहम घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां भी 3.87 अरब डॉलर घटकर 598.24 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि इस दौरान स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 1.79 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.44 अरब डॉलर हो गया लेकिन विशेष आहरण अधिकार 6.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.27 अरब डॉलर रह गया। इसके अलावा अंतराष्ट्रीय मुद्राकोष के पास भारत का आरक्षित भंडार 1.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.32 अरब डॉलर रह गया। उल्लेखनीय है कि सितंबर के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसला सोना, चांदी में भी गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद आज सर्राफा बाजार में करेक्शन होता हुआ नजर आ रहा है। आज सोना 570 रुपये से 620 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक कम हो गई है।

सोने की कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 80 हजार रुपये के स्तर से नीचे लुढ़क कर 79,610 रुपये से लेकर 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 73 हजार के स्तर से नीचे गिर कर 72,990 रुपये से लेकर 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 1,01,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,610 रुपये

प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में 24 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,510 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत-जर्मनी हरित प्रौद्योगिकी तालमेल से वैश्विक विकास को बढ़ावा मिलेगा : पीयूष गोयल

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जर्मनी की सटीक इंजीनियरिंग कला और भारत की भौतिक, डिजिटल या सामाजिक बुनियादी ढांचे में विस्तार करने की क्षमता दुनिया के लिए कुछ असाधारण बनाने में मदद करेगी।

गोयल ने नई दिल्ली में जर्मन बिजनेस (एपीके) के 18वें एशिया प्रशांत सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि एआई अपनाने से लेकर सेमीकंडक्टर तक देश के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने से लेकर हरित प्रौद्योगिकी पर सहयोग करने तक, भारत और जर्मनी के बीच तालमेल अभूतपूर्व विकास को गति दे सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की क्षमता जर्मनी की सटीक इंजीनियरिंग के साथ मिलकर दुनिया को लाभ पहुँचाने में सहायक होगी। गोयल ने कहा कि एशिया का जनसांख्यिकीय बदलाव व्यवसायों के लिए उपजाऊ जमीन है, जो विस्तार करना चाहते हैं और उभरते क्षेत्रों का लाभ भी उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा भारत जलवायु

परिवर्तन से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि आज का भारत मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे पर बना है। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए सुधार, लचीलापन और तत्परता दुनिया भर के व्यवसायों के लिए उपलब्ध है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.47 प्रतिशत की तेजी लेकर 70.52 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.52 प्रतिशत चढ़कर 74.77 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप क्रांति के लिए एचसीएल सॉफ्टवेयर के साथ की साझेदारी

एजेंसी
नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में स्टार्टअप को बढ़ावा देने की अपनी पहल के लिए एचसीएल सॉफ्टवेयर के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि डीपीआईआईटी देश में स्टार्टअप विनिर्माण परिवेश का समर्थन करने के लिए एक ऐसा वातावरण बना रहा है, जहां कॉर्पोरेट घराने विनिर्माण स्टार्टअप को शुरुआत करने में अहम भूमिका निभाएं। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत डीपीआईआईटी ने अब तक उद्योग के विभिन्न पक्षों के साथ मिलकर 80 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

डीपीआईआईटी के संयुक्त

सचिव संजीव सिंह ने कहा कि इस कदम से देश में एक स्थायी विनिर्माण परिवेश स्थापित करने में मदद मिलेगी। स्टार्टअप इंडिया के निदेशक सुमीत के जारंगल ने कहा कि इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य अत्याधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियों के साथ स्टार्टअप को सशक्त बनाकर और वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान करके भारत के विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देना है।मंत्रालय के मुताबिक डीपीआईआईटी पहले से स्टार्टअप को वैश्विक बाजार में पहुंच के लिए 'एचसीएल सिंक' कार्यक्रम तक पहुंच प्राप्त होगी, जिससे उन्हें दुनियाभर में अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा, जिससे भारतीय नवाचार को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाया जा सकेगा। इस पहल के उद्देश्यों में स्टार्टअप को अद्वितीय उत्पाद और समाधान बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके साथ ही भारतीय बौद्धिक संपदा का विकास करना, उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करना और एक मजबूत विनिर्माण परिवेश का निर्माण करना शामिल है।

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ खुला, निवेशक 29 अक्टूबर तक लगा सकेंगे बोली

एजेंसी
मुंबई/नई दिल्ली। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 29 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। एफकॉन्स के शेयर 4 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे।

शापूरजी पल्लोनजी समूह की प्रमुख एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने इस आईपीओ के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए 440 से 463 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 440-463 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए करीब 5430 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी इस आईपीओ के लिए 1,250 करोड़ रुपये के 2,69,97,840 फ्रेश शेयर जारी करेगी, जबकि कंपनी के मौजूदा

निवेशक ऑफर फॉर (ओएफएस) के जरिए 4,180 करोड़ रुपये के 9,02,80,778 शेयर बेच रहे हैं। इस समय एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रमोटर और प्रमोटर समूह की इकाइयों की 99 फीसदी हिस्सेदारी है। पिछले हफ्ते ही एफकॉन्स ने प्री-आईपीओ प्लेसमेंट में कंपनी के प्रबंधन, व्यक्तिगत और संस्थागत निवेशकों से 2,967 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसके अलावा कंपनी कर्मचारी आरक्षण हिस्से के तहत बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रति इक्विटी शेयर 44 रुपये की छूट दे रही है। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एक भारतीय समूह है। इसका इतिहास छह दशकों से ज्यादा पुराना है। कंपनी के पास घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जटिल और चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को सफलतापूर्वक पूरा करने का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। इसके अलावा एफकॉन्स का समय से पहले परियोजनाओं को पूरा करने का इतिहास रहा है, जिसमें जम्मू-उधमपुर राजमार्ग प्रोजेक्ट, नागपुर मेट्रो रीच-3 और आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी उल्लेखनीय परियोजनाएं शामिल हैं।

लगातार 5वें दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार पांचवें दिन जबरदस्त बिकवाली का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों के सपोर्ट से इसकी चाल में थोड़ी और तेजी आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने थोड़ी देर में ही लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली करके बाजार का सपोर्ट करने की कोशिश की लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि शेयर बाजार की चाल में सुधार नहीं हो सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज जबरदस्त दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी आ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 437.43 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.36 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,021 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 853 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,088 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं, 80 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,514 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 376 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,138 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 122.18 अंक की तेजी के साथ 80,187.34 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारों का सपोर्ट मिलने से ये सूचकांक 188.03 अंक की बढ़त के साथ 80,253.19 अंक तक पहुंच गया। इसके थोड़ी देर बाद ही बाजार पर मंदड़िये हावी हो गए, जिससे ये सूचकांक गिरता चला गया। बाजार में लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2:30 बजे तक ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,115.21 अंक गिर कर 927.18 अंक की कमजोरी के साथ 79,137.98 अंक तक पहुंच गया। हालांकि कारोबार के आखिरी घंटे में हुई खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 264.31 अंक की रिकवरी करके 662.87 अंक की गिरावट के साथ 79,402.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 18.65 अंक की मजबूती के साथ 24,418.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 40.85 अंक की बढ़त के साथ 24,440.25 अंक तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई।

घर बैठे विदेशी डिग्री

ऑनलाइन एजुकेशन

भारत में नौकरी के साथ-साथ पढ़ाई के बढ़ते चलन ने ऑनलाइन विदेशी विश्वविद्यालयों की चांदी कर दी है। पिछले कुछ सालों से नौकरीपेशा लोगों के साथ-साथ कालेज छात्र-छात्राएं भी ऑनलाइन डिग्री के प्रति काफी रुचि दिखा रहे हैं।

चाहे आप विश्व के किसी भी कोने में हों, सुविधानुसार घर या ऑफिस में बैठे-बैठे नामी-गिरामी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से विभिन्न विषयों में ऑनलाइन डिग्री हासिल कर सकते हैं। इन विश्वविद्यालयों में बिजनैस, टैक्नोलॉजी, यहां तक कि नर्सिंग जैसे प्रायौगिक विषयों में भी ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध हैं। अब अगर आप सोच रहे हैं कि विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न कोर्सों के बारे में विस्तृत जानकारी कहां से मिलेगी तो हमारी बताई कुछ वैबसाइटों पर क्लिक कीजिए।

यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स

यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स से बिजनैस टैक्नोलॉजी, एजुकेशन और नर्सिंग में दो-तीन वर्षों में ऑनलाइन डिग्री हासिल की जा सकती है। इसके अलावा यूनिवर्सिटी एम.ए. और पीएच.डी. की भी पढ़ाई करवाती है। वहां पढ़ाए जाने वाले ज्यादातर कोर्स विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रोफैशनल्स को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

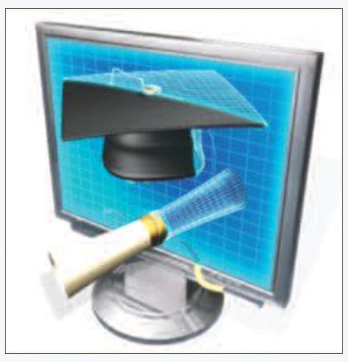

नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.uopxonline.com पर क्लिक करें।

बोस्टन यूनिवर्सिटी

बोस्टन यूनिवर्सिटी का ऑनलाइन 'मास्टर ऑफ साइंस इन कम्प्यूटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम' कोर्स अच्छा माना जाता है। हाल ही में यूनिवर्सिटी ने 'क्लिनिकल इन्वैस्टिगेशन' स्नातक स्तर का सर्टीफिकेट कोर्स शुरू किया है। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की दवा कम्पनियों में काफी मांग है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए http://www.bu.edu पर क्लिक करें।

वैस्टवुड कालेज

वैस्टवुड कालेज के ज्यादातर कोर्स बाजार में उपलब्ध नौकरियों को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं। इनमें क्रिमिनल जस्टिस, इंडस्ट्रियल सर्विसेज डिजाइनिंग, कम्प्यूटर एंड इन्फॉर्मेशन टैक्नोलॉजी, हैल्थकेयर और एम.बी.ए. आदि शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.westwood.edu पर क्लिक करें।

केपेला यूनिवर्सिटी

केपेला यूनिवर्सिटी में शिक्षा के लगभग 80 क्षेत्रों में 700 से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। यूनिवर्सिटी बिजनैस व सूचना तकनीक में स्नातक स्तरीय कोर्स के अलावा मानव सेवा और साइकोलॉजी में अंतर स्नातक स्तरीय कोर्स भी करवाती है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.capella.edu पर क्लिक करें।

थंडरबर्ड स्कूल ऑफ इंटरनैशनल मैनेजमैंट

वॉल स्ट्रीट जनरल द्वारा विश्व स्तर पर इंटरनैशनल बिजनैस में नंबर वन कोर्स करार दिए गए थंडरबर्ड स्कूल में वैश्विक मैनेजमैंट में 60 से अधिक कोर्स उपलब्ध हैं। इसकी फैकल्टी में विश्व के अनेक प्रोफैशनल शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.thunderbird.edu पर क्लिक करें।

चाय के लिए एक लोकप्रिय कहावत है लबसोज, लबरेज व लबबंद यानी चाय का ऐसा प्याला जो होंठों को गरमी दे, लबालब भरा हो व मिठास लिए हो। जिस चाय के प्याले से आप अपने ताजगी भरे दिन की शुरुआत करते हैं उसी के जरिए कॅरियर को भी नई ताजगी दी जा सकती है।

टी मैनेजमेंट

ताजगी भविष्य की...

चाय इंडस्ट्री में रोजगार के लिए बॉटनी, फूड साइंस, हॉर्टीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल सकते हैं।

चाय का नाम सुनते ही एक ताजगी का अनुभव होता है। खुशी की बात यह है कि भारत दुनिया में चाय का सबसे बड़ा उत्पादक, निर्यातक व उपभोक्ता देश है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की भी अपार संभावनाएं है। यह बहुत ज्यादा प्रचलित कॅरियर विकल्पों में से नहीं होने के बावजूद बेहद रुचिकर क्षेत्र जरूर है। टी मैनेजमेंट में चाय से जुडें अलग-अलग तरह के कार्य शामिल हैं।

कार्य का स्वरूप

चाय इंडस्ट्री में पौधों की बुआई, प्रोसेसिंग, ऑक्शनिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग व रिसर्च का काम होता है। पौधों के लिए सही मिट्टी तैयार करना और फर्टिलाइजर्स का सही चुनाव भी इनके काम में शामिल होता है। चाय की तैयार पत्तियां सही समय और तरीके से ताड़ना भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण काम है। इसके बाद पत्तियों की प्रोसेसिंग का काम फैक्ट्रियों में होता है। यहां के बाद विभिन्न बागानों से आई पत्तियों की टेस्टिंग करके नीलामी के लिए भेजते हैं।

कंप्यूटर की मदद

वैसे तो चाय की गुणवत्ता पता लगाने के लिए टी टेस्टर्स होते हैं लेकिन अब इसके सटीक सम्मिश्रण के लिए कंप्यूटर की मदद भी ली जाती है। फिर भी टी टेस्टर्स के कथन को ही सर्वोपरि माना जाता है। भारत में असम, दार्जीलिंग और नीलगिरी में चाय के सबसे अच्छे बागान हैं। एक ही बागान में चाय की कई किस्में उगाई जा सकती हैं। यह एक मौसमी पौधा है, लिहाजा एक ही झाड़ से अलग-अलग सीजन में अलग-अलग तरह की पत्तियां निकलती हैं। इन्हें अलग तरीके से हैंडल भी किया जाता है।

योग्यता

शैक्षणिक: बुनियादी शिक्षा हासिल किए लोग भी टी इंडस्ट्री में शामिल हो सकते हैं। इसके बाद नौकरी के लिए जरूरी कौशल सीखा जा सकता है। हालांकि बॉटनी, फूड साइंस, हॉर्टीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल जाते हैं। टी टेस्टर्स को इस काम के लिए विधिवत प्रशिक्षण मिलता है। इसके अलावा इनमें नैसर्गिक प्रतिभा भी होती है। हालांकि दक्ष टैस्टर बनने के लिए वर्षों तक अभ्यास व प्रशिक्षण जारी रखना पड़ता है। इससे ही टेस्टिंग की कला निखरती है।

व्यक्तिगत योग्यता: इस क्षेत्र में दिलचस्पी रखने वालों को घर से बाहर रहते हुए काम करने की आदत होनी चाहिए। उनका शारीरिक तौर पर फिट व आत्मनिर्भर होना और उनमें लीडरशिप का गुण होना जरूरी है। चाय बाजार और उसके बदलते मापदंडों पर पकड़ होनी ही चाहिए। टी टेस्टर्स की स्वाद कलिकाएं बेहतर होनी चाहिए। टी ब्रोकर बनने की चाह रखने वालों को चाय बाजार पर पकड़ के साथ ही इसके उत्पादक और खरीदार दोनों से अच्छे संबंध बनाने होते हैं।

रोजगार के अवसर

दुनियाभर में भारत के चाय का सबसे बड़ा निर्माता होने के चलते यहां असीम संभावनाएं हैं। चाय कंपनियों, चाय बागान, टी ब्रोकिंग हाउस, टी एसोसिएशंस और टी बोर्ड ऑफ इंडिया में आपको कार्य करने के अच्छे मौके मिल सकते हैं। अनुभव प्राप्त टी प्लांटर आगे चलकर टी ब्रोकरेज में कदम रख सकता है। चाय सलाहकार बनकर भी व्यक्तिगत रूप से सुझाव देने का काम भी एक बेहतर विकल्प है। मुख्य तौर पर यहां निम्न कार्यों से जुड़ा जा सकता है।

प्लांटेशन/फैक्ट्री मैनेजर: बागान का नियंत्रण मैनेजरों के जिम्मे होता है। इनके काम में प्लांटेशन, रखरखाव, सही समय पर पत्तियों को चुनना, उन्हें पैक करवाकर नीलामी के लिए भेजना शामिल है।

टी टेस्टर: टी टेस्टिंग का क्षेत्र विशेषज्ञता की दरकार रखता है। इन्हें चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है। इसकी एक खामी यह है कि तरह-तरह की चाय टेस्ट करने से आपकी पाचन शक्ति या दांतों पर विपरीत असर पड़ सकता है, क्योंकि तेजी के दिनों में एक दिन में 200-300 कप भी चखने पड़ सकते हैं।

रिसर्चर: यहां रिसर्च का ज्यादातर काम बॉटेनिस्ट, बायोटेक्नोलॉजिस्ट्स और दूसरे वैज्ञानिक करते हैं।

इनके काम में अच्छी से अच्छी गुणवत्ता की चाय तैयार करना शामिल है।

टी ब्रोकर: टी ब्रोकर बिचौलियों का काम करते हैं, यानी वह उत्पादक और खरीदार के बीच सही तालमेल बैठाते हैं। यहां टी इंडस्ट्री का अनुभव काम आ सकता है।

कंसल्टेंट: टी बोर्ड ऑफ इंडिया और दूसरे टी एसोसिएशंस अपने यहां सलाह-सुझाव के लिए इन लोगों को नौकरी पर रखती हैं।

पारिश्रमिक

किसी अन्य क्षेत्र की तरह यहां भी अनुभव वेतन निर्धारण में दबर्दस्त भूमिका निभाता है। फिर भी प्रशिक्षुओं की शुरुआत 5 हजार रुपए से होती है जबकि अनुभव प्राप्त पेशेवर 25 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन पा सकते हैं। विशेषज्ञों को 40-50 हजार तक की आय संभव है।

टी टेस्टिंग से जुड़े कार्य में चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है।

प्रशिक्षण देने वाले संस्थान

असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, जोरहट
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट, बेंगलुरु
दीपरस इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, कोलकाता
दार्जीलिंग टी रिसर्च एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन, दार्जीलिंग
असम दार्जीलिंग टी रिसर्च, दार्जीलिंग
बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूचरिस्टिक स्टडीज, कोलकाता
द टी टेस्टर्स एकेडमी, कुन्नूर, केरल
यूपीएएसआई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट, वलपरई।

होम्योपैथी चिकित्सा

चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में अब करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। मैडीकल लाइन में जाने के इच्छुक युवाओं के लिए करियर की दृष्टि से होम्योपैथी चिकित्सा का क्षेत्र भी अच्छा माना जाता है। होम्योपैथी चिकित्सा की बड़ी प्राचीन पद्धति है। सबसे प्रमुख बात यह है कि इसकी दवाओं का शरीर पर कोई साइड इफैक्ट नहीं होता। पुराने से पुराने रोगों के निदान में होम्योपैथी चिकित्सा कारगर सिद्ध हुई है। इसी कारण जहां लोगों का एलोपैथी के मुकाबले इस चिकित्सा के प्रति विश्वास बढ़ता जा रहा है वहीं युवाओं को करियर के रूप में इस चिकित्सा क्षेत्र में अच्छे अवसर मिलने की संभावना बलवती हुई है।वर्तमान समय में होम्योपैथी चिकित्सा का दायरा बढ़ा है। ऐसा माना जाता है कि इसकी शुरूआत जर्मनी से हुई थी और यह अमेरिका तक विस्तृत होते हुए भारत में भी फैल गई।

रोजगार के दृष्टिकोण से होम्योपैथी में डिग्री प्राप्त करने के बाद युवा चाहें तो अपना स्वयं का क्लीनिक खोलकर प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं या फिर किसी सरकारी अस्पताल अथवा स्वयंसेवी संगठन में नियुक्ति पा सकते हैं। शिक्षण क्षेत्र में नियुक्ति मिलने की संभावना रहती है नियुक्ति हेतु विज्ञापन विभिन्न राष्ट्रीय समाचारपत्रों में समय-समय पर प्रकाशित होते रहते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश पाने के लिए आवेदक को विज्ञान विषय सहित 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। इन्टर्नशिप सहित इस क्षेत्र में पढ़ाई की कुल समय सीमा पांच वर्ष की होती है। भारत के विभिन्न कालेजों में होम्योपैथी की पढ़ाई होती है। ऐसे प्रमुख संस्थानों की जानकारी समाचारपत्रों में मिलती रहती है।

कुछ संस्थानों के पते छात्रों की सुविधा हेतु यहां दे रहे हैं। इन संस्थानों से सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी हासिल की जा सकती है। प्रवेश के लिए योग्यता, पाठ्यक्रम की अवधि तथा शुल्क आदि से संबंधित सभी बातें आवेदक को संस्थान से सम्पर्क कर पहले ही मालूम कर लेनी चाहिएं।

* के.एन.एच. मैडीकल कालेज, बरारी रोड, भागलपुर, (बिहार)
* नैशनल होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, लखनऊ,(उ.प्र.)
* आर.वी.टी.एस. गवर्नमैंट होम्योपैथिक मैडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल, मुजफ्फरपुर, (बिहार)
* स्टेट कानपुर होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, जी.एच.के. बिल्डिंग, कानपुर। (उ.प्र.)

सफलता के लिए समर्पण जरूरी- रसील गुजराल

रसील गुजराल अंसल कासा पैराडॉक्स की क्रिएटिव हैड और एक सफल इंटीरियर डिजाइनर हैं। प्रसिद्ध चित्रकार और आर्कीटैक्ट सतीश गुजराल की बेटी रसील का कहना है कि इंसान को धन तक जाने वाले सबसे छोटे रास्ते की तलाश नहीं करनी चाहिए। यहां वह अपने जीवन से जुड़ी यादें ताजा करने के साथ-साथ अपनी सफलता का राज सांझा कर रही हैं।

रसील ने बताया कि उन्होंने स्कूली शिक्षा देहरादून ने एक बोर्डिंग स्कूल में प्राप्त की। उनका कहना है कि वहां उन्होंने अपने स्कूली दिनों के सबसे अच्छे पल बिताए। इसका कारण यह है कि वहीं उन्हें अपनी खूबियों को जानने का मौका मिला, उनमें सही मायनों में आत्मविश्वास पैदा हुआ। वहां उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी काफी अच्छा किया और उन्हें कई सोशल स्किल्स का ज्ञान भी मिला।

इंटीरियर डिजाइनिंग का प्रशिक्षण उन्होंने अपने पिता और अपने भाई मोहित गुजराल के आर्कीटैक्चरल ऑफिस में लिया। यहां उन्हें तकनीकी बातों का ज्ञान मिला जबकि उनकी रचनात्मकता को पंख फैलाने की पूरी आजादी दी गई। बेशक शुरूआत में उन्होंने कई गलतियां कीं परंतु वह समय रहते उन्हें सुधार भी लिया करती थीं। यहां उन्हें किसी संस्थान में थ्योरी और प्रैक्टीकल जैसे बंधनों में नहीं बंधना पड़ा। यहां उन्होंने इंटीरियर डिजाइनर से अधिक एक इंटीरियर आर्कीटैक्ट का प्रशिक्षण हासिल किया।

फैशन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, न्यूयॉर्क के डीन के लिए रैजीडैंशियल इंटीरियर डिजाइनिंग का काम उनका पहला प्रोजैक्ट था। पहले प्रोजैक्ट की यादें सांझी करते हुए रसील ने कहा कि डीन 1986 में नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ फैशन टैक्नोलॉजी की स्थापना के लिए भारत आए हुए थे। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डिजाइनिंग का अनुभव हासिल करने वाले व्यक्ति के साथ काम करना उनके लिए बहुत रोमांचपूर्ण रहा। चूंकि सारा काम भारतीय ब्यूरोक्रेसी से होकर किया जाना था, उन्हें इस दौरान कई बातों से पहली बार परिचित होने का मौका मिला।

उन्होंने कहा कि सबसे रोचक बात थी कि इस प्रोजैक्ट में कंसल्टैंट के तौर पर कार्य करने के लिए कभी उनकी फीस अदा नहीं की गई क्योंकि उन्हें बार-बार बिल क्लीयर करवाने के लिए लोगों के पास जाने में शर्म आती थी। उनका कहना है कि आत्मनिर्भरता किसी से सीखी नहीं जा सकती यह खुद सीखनी पड़ती है। खुद को लगातार चुनौतियों का सामना करने को प्रेरित करने और अतीत में हासिल सफलताओं से ढीले नहीं पड़ना जैसी बातें उन्होंने अपने पिता से सीखीं।

वह किसी भी प्रोजैक्ट का महत्व उसके आकार, सम्भावनाओं या मिलने वाली रकम से नहीं लगाती हैं। उनकी संतुष्टि उन प्रोजैक्ट्स को तत्कालीन आवश्यकताओं के अनुसार सबसे अच्छे ढंग से पूरा करने में निहित रहती है। उनका मानना है कि उनका एक मां-पत्नी-बेटी-किसी की मित्र होना ही उनको एक सम्पूर्ण इंसान बनाता है। उनके लिए जीवन का कोई एक भाग किसी अन्य भाग से अधिक महत्व नहीं रखता। उनके लिए सभी भूमिकाओं में संतुलन और सौहार्द बनाए रखना ही असली चुनौती है।

रसील का कहना है कि सफलता के लिए आपके परिवार का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही अपने काम से लगन और उसके प्रति समर्पण की भावना भी व्यक्ति में होनी चाहिए। अपने काम से लगाव ही व्यक्ति को सफल बनाता है।

सीमाओं का पालन करें

कार्यस्थल पर कई कारणों से हमारे आत्मसम्मान को ठेस पहुंच सकती है। अक्सर हमें निजता के अतिक्रमण, नजरअंदाज या हमारा उपयोग किए जाने अथवा कई लोगों की बातों एवं तानों से आहत होने का सामना करना पड़ता है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि अपनी निजता के उल्लंघन के लिए काफी हद तक हम खुद जिम्मेदार होते हैं। किसी भी व्यक्ति के प्रोफैशनल और पर्सनल विकास तथा इससे भी बढ़ कर उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वह कार्यस्थल पर अपने लिए तय निजी सीमा का उल्लंघन किसी को न करने दे।

कार्यस्थल पर निजी सीमा से तात्पर्य उस अंतर से है जो हमें अन्यों से अलग करता है। इसमें पर्सनल स्पेस, शारीरिक दूरी, संवाद, भावनात्मक एवं सामाजिक सीमाएं शामिल हैं।

किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व और निजी अधिकारों की रक्षा के लिए इन सीमाओं का पालन करना बेहद जरूरी हो जाता है।

कार्यस्थल पर हमारी अधिकतर परेशानियों का मुख्य कारण इन निजी सीमाओं की रक्षा नहीं कर पाना है। अक्सर किसी ग्रुप में फिट होने की कोशिश में हम अन्यों को इन सीमाओं का उल्लंघन करने की छूट दे देते हैं।

हम अपने सच्चे रूप को इस भय में छुपाए रखने का यत्न करते हैं कि कहीं हम अन्यों से दूर न हो जाएं। इस प्रकार के व्यवहार से हम अक्सर कुंठा के शिकार होते हैं। इसके विपरीत यदि हम अपनी एक निजी सीमा निर्धारित कर लें तो हम सुरक्षित रहने के साथ-साथ लोगों से अधिक प्रभावशाली ढंग से निपटने में सक्षम हो सकेंगे। सीमाओं की रक्षा करने वाले लोगों के सहकर्मियों से संबंध ऐसा नहीं कर पाने वालों से कई गुना बेहतर रहते हैं।